राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,06 जुलाई2020 वर्ष–2, अंक –123 पृष्ठ–09 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेप के आरोपी से 35 लाख की रिश्वत लेने का आरोप, महिला एसआई गिरफ्तार

अहमदाबाद।

गुजरात में बलात्कार के एक आरोपी से कथित तौर पर 35 लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में पुलिस उप-निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अहमदाबाद-पश्चिम में महिला थाने की प्रभारी श्वेता जडेजा केनाल शाह नामक एक व्यक्ति के खिलाफ 2019 में दर्ज बलात्कार के मामले की जांच कर रही थीं, जिसके भाई से उन्होंने कथित रूप से 35 लाख रुपए मांगे। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने शाह के खिलाफ समाज विरोधी गतिविधियां अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज न करने के लिए कथित रिश्वत की मांग की थी। इस अधिनियम के तहत पुलिस आरोपी को उसके पैतृक जिले से बाहर किसी जेल में भेज सकती है। शहर की अपराध शाखा द्वारा जडेजा के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार, जडेजा ने बलात्कार के आरोपी से एक बिचौलिए के माध्यम से 20 लाख रुपये रिश्वत ली और उससे 15 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की। एफआईआर में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने फरवरी में जडेजा को 30 लाख रुपए दिए थे और वह उन्हें बाकी रकम देने के लिए परेशान कर रही थीं। अधिकारी ने कहा कि जडेजा को शुक्रवार को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। लोक अभियोजक सुधीर ब्रह्मभट्ट के अनुसार, जडेजा को शनिवार को एक सत्र अदालत में पेश किया गया जहां पुलिस ने उनकी सात दिन की हिरासत मांगी। हालांकि अदालत ने उन्हें आगे की जांच के लिये तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अभियोजक ने कहा, पुलिस, अभियुक्तों द्वारा ली गई 20 लाख रुपए की राशि वसूलने में जुटी है। अब तक की जांच में पता चला है कि एक बिचौलिए ने रिश्वत की रकम ली थी। अहमदाबाद में एक फसल समाधान कंपनी के प्रबंध निदेशक शाह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता धारा 376 के तहत बलात्कार के दो अलग-अलग मामले दर्ज हैंष ।

गुजरात और मिजोरम में लगे भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग

नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसके बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 4.2 रही। इसके अलावा मिजोरम के चंफई में भी भूकंप के झटके लगे हैं, जिनकी तीव्रता 4.7 रही। मिजोरम में शाम 5:26 बजे भूकंप के झटके लगे। बता दें कि हाल ही में उत्तर-पूर्वी राज्यों में लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार शाम को 4.2 तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र भचाऊ से करीब 14 किलोमीटर दूर था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उससे पहले दोपहर को एक बजकर 50 मिनट से लेकर चार बजकर 32 मिनट तक 1.8, 1.6, 1.7 और 2.1 तीव्रता के चार हल्के भूकंप आए थे। गांधीनगर के भारतीय भूगर्भ विज्ञान अनुसंधान केंद्र के अधिकारी ने कहा, '' कच्छ जिले में रविवार शाम को पांच बजकर 11 मिनट पर 4.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। उसका केंद्र भचाऊ के उत्तर-उत्तरपूर्व में 14 किलोमीटर की दूरी पर था। उसका केंद्र भचाऊ के उत्तर-उत्तरपूर्व में 14 किलोमीटर की दूरी पर था। इसी क्षेत्र में 14 जूनको 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था जिसे पूरे सौराष्ट्र क्षेत्र में महसूस किया गया था और लोग अपने घरों से बाहर आ गए थे।

कोरोना से निपटने के लिए दिल्ली में बनेगा 'वार रूम, आईएएस अधिकारी संभालेंगे कमान

नेशनल डेस्क।

दिल्ली सरकार एक 'कोविड-19 वार रूम स्थापित करेगी जो शहर में कोरोना वायरस से निपटने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर 24 घंटे नजर रखेगा और वर्तमान स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उपाय सुझायेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह 'कोविड-19 वार रूम% दिल्ली सचिवालय में स्थापित किया जा रहा है जिसका कामकाज करीब 25 विशेषज्ञ संभालेंगे। अगले कुछ दिनों में इसके शुरू हो जाने की उम्मीद है। योजना के मुताबिक यह नया रणनीतिक केंद्र वायरस के लिए जांच, बिस्तरों की संख्या, मेडिकल उपकरण, एंबुलेंस और निषिद्ध क्षेत्रों जैसे सभी पहलुओं पर काम करेगा। अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 की स्थिति से निपटने के संबंध में यह शहर की स्थिति का खाका भी पेश करेगा। मुख्य सचिव विजय देव ने अधिकारियों को यथाशीघ्र इस वार रूम को स्थापित करने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों के अनुसार 'कोविड-19 वार रूम उन क्षेत्रों की विसंगतियां भी सामने लाएगा जहां प्रशासन और ठोस व्यवस्था के लिए कदम उठा सकता है। सरकार में उच्च अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए एक आईएएस अधिकारी इस वार रूम की कमान संभालेंगे। वहां 20-25 विशेषज्ञ होंगे जो 24 घंटे काम करेंगे। दिल्ली में शनिवार को कोरोना वायरस के 2,505 नये मरीज सामने आने के बाद यहां इस महामारी के मामलों की संख्या बढ़कर 97,000 के पार चली गयी है। इस बीमारी से अब तक यहां 3,004 लोगों की मौत हो चुकी है।

1984 के सिख विरोधी दंगों के दोषी पूर्व विधायक महेंद्र यादव की कोरोना से मौत

नई दिल्ली। वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में जेल की सजा काट रहे एक पूर्व विधायक की कोविड-19 के कारण यहां एक अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंडोली जेल में संक्रमण से जान गंवाने वाले वह दूसरे कैदी है। अधिकारियों ने बताया कि महेन्द्र यादव (70) पालम विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक थे। वह मंडोली जेल की जेल संख्या 14 में बंद थे, जहां वह 10 साल की सजा काट रहे थे। यादव को 26 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक अन्य कैदी कंवर सिंह की पिछले महीने मौत हो गई थी और वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। सिंह भी जेल संख्या 14 में बंद था। महानिदेशक (जेल) संदीप गोयल ने बताया कि यादव ने 26 जून को बेचैनी और हृदय से संबंधित कुछ समस्याओं की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि यादव को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें उसी दिन एलएनजेपी अस्पताल के लिए रेफर किया गया और वहां भर्ती किया गया। इसके बाद उनके परिवार के अनुरोध पर उन्हें 30 जून को पुलिस निगरानी में द्वारका में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि यादव को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें उसी दिन एलएनजेपी अस्पताल के लिए रेफर किया गया और वहां भर्ती किया गया। इसके बाद उनके परिवार के अनुरोध पर उन्हें 30 जून को पुलिस निगरानी में द्वारका में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, ''हमें सूचना मिली कि महेंद्र यादव की चार जुलाई की शाम अस्पताल में मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यादव दिसम्बर 2018 से जेल में बंद थे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने पूछा- 50 हजार वेंटिलेटर्स की सप्लाई में देरी क्यों, अब तक 1350 ही क्यों मिले

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण के बीच कांग्रेस ने वेंटिलेटर की कमी को लेकर सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ ने कहा कि देश जानना चाहता है कि 50 हजार वेंटिलेटर्स की सप्लाई में इतनी देरी क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तक केवल 1350 वेंटिलेटर्स की ही सप्लाई हो पाई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार ने वेंटीलेटर की खरीद में भारी गड़बड़ी की है और कोरोना महामारी के दौर में देश की जनता के साथ धोखा किया है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने रविवार को यहा संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश मे कोरोना संक्रमितों की संख्या छह लाख 73 हज़ार से ज्यादा हो चुकी है। महामारी का कहर इतना अधिक है कि पिछले 24 घन्टे में रिकॉर्ड संख्या में इस बीमारी से लोगों की मृत्यु हुई है और मृतकों की संख्या 20 हजार के करीब पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने प्रधानमंत्री केअर फण्ड में पैसा डाला है और 31 मार्च को 40 हज़ार वेंटीलेटर की खरीद का सरकार ने ऑर्डर दिया लेकिन उसे अब बताना चाहिए कि क्या इस फण्ड से ये वेंटीलेटर खरीदे गए। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार जब भी बड़ी खरीद करती है तो इसके लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। देश की जनता को बताया जाना चाहिए कि क्या इन वेंटीलेटर की खरीद के लिए निविदाएं मंगाई गई थी। उन्होंने कहा कि देश मे डेढ़ लाख में वेंटीलेटर खरीदा जा सकता है तो सरकार ने चार लाख रुपये की दर से यह खरीद क्यों की। दूसरी बात डॉक्टरों तथा सरकारी डॉक्टरों के पैनल ने कहा है कि वेंटीलेटर उपयोग के योग्य ही नहीं है।

कोलकाता- 3 महीने बाद खुला चंद्रोदय मंदिर, श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ा 'सेनिटाइजर टनल से

नेशनल डेस्क। इस्कॉन के विश्व मुख्यालय मायापुर में चंद्रोदय मंदिर के द्वार रविवार को श्रद्धालुओं के फिर से खोल दिए गए। कोरोना के मद्देनजर लगभग तीन महीने पहले मंदिर को बंद कर दिया गया था। इस्कॉन मायापुर के प्रवक्ता सुब्रत दास ने बताया कि देवी-देवताओं के 'दर्शन सुबह 9 बजे से शुरू हुए और 'सेनिटाइजर टनल से गुजरकर लगभग 100 श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचे। मंदिर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा। प्रवक्ता सुब्रत ने कहा कि हम आज 200 श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि संख्या अगले सप्ताह बढ़ जाएगी। श्रद्धालुओं को बिना मास्क पहने मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। मंदिर 23 मार्च से बंद था। मायापुर प्रशासनिक परिषद के उपाध्यक्ष माधव गौरांगा दास ने कहा कि चूंकि हमारे भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें भक्तों के लिए मंदिर खोलने में थोड़ा अधिक समय लगा।

भारत-चीन सीमा पर चल रहे तनाव

लेह दौरे के बाद अचानक राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे पीएम मोदी, गंभीर मुद्दों पर हुई चर्चा

नेशनल डेस्क।

भारत-चीन सीमा पर चल रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बातचीत की। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने बैठक के बाद ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति कोविंद से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों से जुड़ी जानकारी दी...। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून को चीनी और भारतीय सैन्य बलों के बीच हुई झड़प के बाद प्रधानमंत्री ने इस सप्ताह की शुरुआत में लेह का दौरा किया शुरुआत में लेह का दौरा किया और जवानों को संबोधित किया था। इस झड़प में भारत के 20 जवान वीरगति को प्राप्त हो गए थे जिसमें चीन को भी काफी नुकसान होने की खबरें हैं। वहीं उपराष्ट्र ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी ट्वीट कर लिखा कि भारत इतिहास के बेहद नाजुक मोड़ से गुजर रहा है।

हम एक साथ कई आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। लेकिन हमें जो चुनौतियां दी जा रही हैं, उसका सामना करने का हमारा निश्चे चय दृढ़ रहना चाहिए।

पूर्व मंत्री ने ज्योतिरादित्य पर लगाए गंभीर आरोप, सिंधिया खेमें को न दें राजस्व विभाग

भोपाल। कैबिनेट विस्तार के बाद मध्य प्रदेश में विभागों के बंटवारे को लेकर सियासी घमासान जारी है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ने बड़ा बयान दिया है। सिंह ने कहा है कि सिंधिया के समर्थक किसी मंत्री को राजस्व का विभाग ना दिया जाए क्योंकि सिंधिया परिवार जमीनें हड़पने में माहिर है। अगर सिंधिया के समर्थक राजस्व विभाग में अगर सिंधिया के समर्थक रहे तो प्रदेश की महत्वपूर्ण जमीन हड़प लेगी। डॉक्टर गोविंद सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि ग्वालियर में शासकीय जमीन पर भी गजट नोटिफिकेशन के बावजूद सिंधिया ने परिवार और ट्रस्ट के नाम से गलत तरीके से जमीन आवंटित करा ली है। ग्वालियर में आज भी कई जमीनों पर सिंधिया का कब्जा है और न्यायालय में विवाद चल रहा है। सीएम शिवराज सिंह में हिम्मत है तो शिवपुरी ,ग्वालियर और गुना में जो विवादित जमीन हैं उनकी जांच करा लें। इससे पहले कमलनाथ सरकार ने सिंधिया के बीजेपी में जाने के बाद उनके खिलाफ जमीनों से सबंधित मामले ईओडब्ल्यू में दर्ज कराए थे। लेकिन इससे पहले की कोई कार्रवाई होती तब तक सरकार गिर गई थी। आपको बता दें कि शिवराज कैबिनेट विस्तार के बाद अब विभाग बंटवारे पर तकरार जारी है। दो तीन दिन बीत जाने के बाद भी मंत्रियों के विभाग बंटवारे परसहमति नहीं बन पा रही है। सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों की मानें तो सिंधिया खेमा नंबर दो की पोजीशन चाहता है। जिसमें और खनिज जैसे अहम मंत्रालय की मांग की जा रही है।

दिल्ली में सुलझा विभागों के बंटवारे का पेंच, सीएम बोले- भोपाल आकर करुंगा बंटवारा

नई दिल्ली/भोपाल।

मध्य प्रदेश में कैबिनेट विस्तार के बाद विभागों के बंटवारे को लेकर घमासान जारी है। किस नेता को कौन सा मंत्रालय मिलेगा, इसे लेकर कयासों का दौर जारी है। कैबिनेट विस्तार के दो-तीन बीत जाने के बाद भी विभागों पर सहमति नहीं बन पाई है। इस मुद्दे को लेकर दिल्ली पहुंचे सीएम शिवराज ने कहा कि मंत्रियों के विभागों के बारे में वे भोपाल पहुंचकर ही फैसला लेंगे। दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद बयानबाजी देते हुए कहा कि से बातचीत में सीएम शिवराज ने कहा कि कैबिनेट का विस्तार हो चुका है। जहां तक मंत्रियों के विभागों के बंटवारे का सवाल है, मैं जब भोपाल पहुंचूंगा, इसके बाद ही पोर्टफोलियो के बारे में निर्णय होगा। आपको बता दें कि कैबिनेट विस्तार के बाद अब विभाग बंटवारे पर तकरार जारी है। दो तीन दिन बीत जाने के बाद भी मंत्रियों के विभाग बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों की मानें तो सिंधिया खेमा नंबर दो की पोजीशन चाहता है। जिसमें और खनिज जैसे अहम मंत्रालय की मांग की जा रही है। विभागों को लेकर जहां एक तरफ बीजेपी में मंत्री न बनाए जाने से असंतुष्ट नेता और उनके कार्यकर्ता खुलकर पार्टी और संगठन का विरोध कर रहे हैं। वहीं, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी सरकार और बीजेपी पर हमलावर है। मंत्रिमंडल विस्तार के विरोध के केंद्र में कहीं न कहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया ही बताए जा रहे हैं। बीजेपी कार्यकर्ता जहां सिंधिया समर्थकों को बड़ी तादाद में कैबिनेट में जगह मिलने से नाराज बताए जा रहे हैं। वहीं कांग्रेस भी सिंधिया खेमे पर हमलों के जरिए सियासी दबाव बना रही है।

वंदे भारत मिशन : 11 से 19 जुलाई के बीच अमेरिका के लिए 36 उड़ानें संचालित करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। वंदे भारत मिशन के तहत विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने की मुहिम में भारत सरकार ने अमेरिका के लिए उड़ानों को संचालित करने का फैसला किया है। 11 जुलाई से 19 जुलाई के बीच एयर इंडिया अमेरिका के लिए 36 उड़ानों को संचालित करेगा। एयर इंडिया की ओर से जारी एक सूचना में बताया गया है कि अमेरिका में मौजूद भारतीय नागरिक जो इन उड़ानों से आना चाहते हैं वह टिकट बुक कर सकते हैं। टिकट बुकिंग छह जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह दो बजे (न्यूयॉर्क में सुबह 10 बजे, शिकागो में सुबह 9.30 बजे और सैन फ्रांसिस्को में सुबह 7.30 बजे) से एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर होगी। बता दें कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते लगे वैश्विक लॉकडाउन की वजह से विदेशों में फंसे भारतीयों को लाने के लिए वंदे भारत मिशन शुरू किया गया था। इस मिशन के तहत 5.03 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक देश वापस लौट चुके हैं। अभियान के तहत 137 देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को लाया गया। इस अभियान का पहला चरण सात मई से 15 मई तक चला । मिशन के तहत वापसी का दूसरा चरण 17 से 22 मई तक चला। हालांकि सरकार ने इस चरण को 10 जून तक के लिए बढ़ा दिया था। वहीं, तीसरा चरण 11 जून से दो जुलाई तक चला। फिलहाल अभियान का चौथा चरण चल रहा है।

मुंबई में हाईटाइड की चेतावनी, लोगों को समुद्र तट से दूर रहने की हिदायत

नेशनल डेस्क। मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन बारिश जारी रही, जिसके चलते निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने तटीय जिलों में हाई टाइड का अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही लोगों से समुद्र तट से दूर रहने की अपील की जा रही है। वहीं भारी बारिश के कारण मुंबई के हिंदमाता क्षेत्र और सायन किंग सर्कल में जलभराव हो गया है, जिस कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को 12.23 मिनट पर 4.63 मीटर की हाई टाइड होने की संभावना है। ऐसे में लोगों को घरों में रहने की ही हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने मुंबई, रायगढ़ और रत्नागिरि के लिए शुक्रवार को रेड अलर्ट जारी किया था और पालघर, मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों में कई स्थानों पर शनिवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया था। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के एक अधिकारी ने कहा कि सायन और मिलन सबवे जैसे निचले इलाकों में जल-जमाव की सूचना मिली है।

देश के इंजीनियरों को मोदी ने दिया भारतीय टिकटॉक बनाने का चैलेंज

नेशनल डेस्क। टिकटॉक समेत 59 चीनी मोबाइल एप को देश की सुरक्षा, संप्रभुता और रक्षा के लिए खतरा बताते हुए कुछ दिन पहले पर उन पर बैन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ट्वज्ञ में काम करने वाले लोगों को कहा कि वे 'कोड ऑफ ए आत्मनिर्भर भारत' के इनोवेशन चैलेंज में हिस्सा लें। पी.एम. मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा-आज टैक और स्टार्टअप समुदाय में विश्व स्तरीय 'मेड इन इंडिया' एप बनाने के लिए भारी उत्साह है। उनके विचारों और उत्पादों की सुविधा के लिए मिनिस्ट्री ऑफ इलैक्ट्रॉनिक्स एंड आई.टी. और अटल इनोवेशन मिशन आत्मनिर्भर भारत इनोवेशन एप लांच कर रहा है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि यह चैलेंज आपके लिए है, अगर आप ऐसे प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं या फिर आप अन्य ट्वीट में कहा कि यह चैलेंज आपके लिए है, अगर आप ऐसे प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं या फिर आप यह मानते हैं कि आपके पास विजन और अनुभव है ऐसे प्रोडक्ट्स को बनाने का। मैं टैक समुदाय के सभी दोस्तों से अनुरोध करता हूं कि वे इसमें शामिल हों। मेरे लिंक्ड इन पोस्ट पर अपने विचारों को सांझा करें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जिनपिंग का रुख

चीन के सुप्रीम लीडर शी जिनपिंग का आक्रामक रुख उन्हें भारी पड़ सकता है। वे इसके जरिए भले ही यह संकेत देना चाह रहे हों कि कोरोना वायरस के चलते बाद चीन को आर्थिक और कूटनीतिक तौर पर कोई झटका नहीं लगा है। मगर जिस तरह भारत समेत अन्य देशों ने चीन का प्रतिकार किया है, जिनपिंग का यह इरादा फेल भी हो सकता है। फिर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना के मामले में लगातार चीन को घेरे हैं। ट्रंप ने चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि हम गाउन, मास्क और सर्जिकल उपकरण का उत्पादन कर रहे हैं... इन्हें विशेष रूप से विदेशी भूमि में बनाया गया। विडंबना यह है कि विशेष रूप से चीन में, जहां से यह वायरस और अन्य बीमारियां आई थीं। चीन की गोपनीयता बरतने, धोखे और आवरण रखने की सोच ने इसे पूरी दुनिया में फैलने दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए चीन को पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उसे जिम्मेदारी लेनी ही होगी। रूस भी अमेरिका के साथ चीन पर चढ़ाई किए है। नेपाल में भी उसका विरोध हो रहा है तो भूटान भी जमीन हथियाए जाने से खफा है। अपनी पार्टी या सरकारी मशीनरी पर शी का कंट्रोल वैसे ही बरकरार है। लेकिन कभी हर चीज के चेयरमैन कहे जाने वाले जिनपिंग की रफ्तार बहुत धीमी हो चली है। 2015-16 में आर्थिक सुस्ती के बावजूद वह अपनी सत्ता आसानी से बचा ले गए थे, हालांकि अब चुनौती बड़ी और ग्लोबल है। चीन एक बार फिर आर्थिक गिरावट झेल रहा है। पश्चिमी देशों का मूड उसके खिलाफ हो गया है, इनमें से कई तो ऐसे हैं जिनके चीन के साथ अच्छे रिश्ते रहे हैं। विदेश जाकर काम, पढ़ाई या घूमने वाले रईस चीनियों को भी इस बात का अहसास हो चुका है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव नेटवर्क इसीलिए बनाया गया था ताकि चीन के राजनीतिक हित साधे जा सकें और दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता कम हो सके। इस प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। कई देश कर्ज को रीशेड्यूल करने की बमांग कर रहे हैं। चीन ने हफ्तों तक कोविड-19 की बात छिपाई, इससे भी इस पहल पर नकरात्मक असर हुआ है। शी जिनपिंग ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं जो पूरी तरह से पार्टी के प्रति समर्पित है। उनका मकसद कम्युनिस्ट पार्टी के हाथों में चीन की सत्ता रखना है। पार्टी ने जिस तरह से आर्थिक विकास किया है और शी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जैसा अभियान चलाया, उससे इस मकसद को और बल मिला। शी ने अपने कई दुश्मनों को करप्शन कैंपेन में निपटा दिया। चीन ने हाल ही में जो आक्रामक रुख अपनाया, उसका मकसद अपने पड़ोसियों को याद दिलाना था कि वे दोयम दर्जे पर हैं। हालांकि शी जिनपिंग का यह दांव ठीक नहीं बैठा। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन ने जब घुसपैठ की भारत ने उसका करारा जवाब दिया। यह साफ हो गया कि भारत बात आगे बढ़ जाएगी, इस डर से चुप नहीं बैठेगा। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया ने भी इम्पोर्ट बंद करने की चीन की धमकी को नजरअंदाज करते हुए चीनी सैनिकों के आने पर रोक लगा दी है। दक्षिण चीन सागर में जापान और दक्षिण एशियाई देश चीन के आगे गुट बनाए खड़े हैं और उससे समुद्र के नियमों का पालन करने को कह रहे हैं। हांगकांग के लिए नए कानून बनाकर चीन को वैश्विक स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन जिनपिंग शायद ही अपना रास्ता बदलें। हालांकि यह चीन के ऊपरी तबके लिए जरूर अजीब है जिसने लोकतंत्र के बदले आर्थिक बेहतरी को चुना। अभी भले ही राष्ट्रवाद पर सवार होकर जिनपिंग इस चुनौती से निपट लें मगर पार्टी के भीतर अपनी हनक बरकरार रख पाना उनके लिए आसान नहीं होगा।

हमारा डाटा हमारी असली ताकत

हरजिंदर

बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ, जब अमेरिका ने चीन की संचार कंपनी हुआवेई पर पाबंदी लगा दी थी। यहां तक कि अमेरिकी कंपनियों को भी उससे कोई संबंध रखने से रोक दिया गया। हुआवेई के स्मार्टफोन जो दुनिया भर में खासे लोकप्रिय हो रहे थे, उन पर अब गूगल प्ले स्टोर की सुविधा खत्म कर हो गई है। हुआवेई को सबसे ज्यादा झटका 5जी सेवा के मामले में लगा है। इसकी तकनीक विकसित करने के मामले में वह सबसे आगे है और अमेरिका को छोड़कर अभी तक जहां-जहां भी 5जी सेवा शुरू हुई है, ज्यादातर जगह हुआवेई की तकनीक ही इस्तेमाल हो रही है। अमेरिका का तर्क है कि हुआवेई चीन सरकार से नजदीकी रिश्ते रखने वाली कंपनी है, और वह चीन के लिए जासूसी का काम भी करती है। अमेरिका ने यही आरोप एक और चीनी कंपनी जेडटीई पर भी लगाए हैं और उस पर भी पाबंदी लग चुकी है। यह भी माना जाता है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाए हैं, उसके पुख्ता सुबूत न होने के बावजूद इतने कड़े कदम उठाए गए हैं। ये कदम भी तब उठाए गए हैं, जब चीन और अमेरिका के बीच या तो व्यापारिक तनाव हैं या राजनयिक। इसके मुकाबले अगर हम भारत द्वारा 59 चीनी मोबाइल एप पर पाबंदी को देखें, तो यह न तो उतना बड़ा कदम ही दिखता है और न ही उतना कड़ा। वह भी तब, जब चीन भारत से एक बहुत बड़े सामरिक तनाव में उलझा हुआ है। ऐसे मौकों पर इस तरह की पाबंदियां कोई नई बात नहीं हैं, इसलिए पूरी दुनिया ने भी इसे सहजता से ही लिया है। यूं भी इन दिनों अक्सर कहा जाता है कि पूरी दुनिया में युद्ध का सबसे बड़ा हथियार डाटा ही है, इसलिए भी ऐसे मौकों पर उन रास्तों को बंद करना जरूरी हो जाता है, जिनसे एक देश का डाटा दूसरे देश में पहुंच सकता है। फिर यह कदम भी उस चीन के खिलाफ उठाया गया है, जो इस तरह की पाबंदियों के मामले में सबसे आगे रहा है। वाट्सएप जैसे तमाम एप पर वहां पहले से ही पाबंदी है। कई तरह से भारत का डाटा चीन के सर्वरों में पहुंच रहा है, यह कोई ऐसी जानकारी नहीं है, जिसकी भनक हाल-फिलहाल में ही लगी हो। इन्हीं 59 में से एक एप यूसी ब्राउजर पर तो कुछ समय पहले भी भारत में पाबंदी लगाई गई थी, लेकिन बाद में उसे हटा दिया गया। तर्क तब भी डाटा का ही था। इसलिए डाटा के मामले में अभी जो चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक की बात हो रही है, वह राजनयिक और कई भावनात्मक कारणों से जरूर महत्वपूर्ण हो सकती है, पर इससे आगे जाकर उससे कोई बड़ी उम्मीद फिलहाल नहीं बांधी जा सकती। दुनिया के कारोबार में डाटा बड़ी टेढ़ी चीज है। किन्हीं एक-दो देशों के एप या सर्वरों पर पाबंदी लगाकर भी आप यह नहीं सोच सकते कि इससे डाटा का प्रवाह रुक जाएगा। डाटा का बाजार इस समय शायद दुनिया का सबसे जटिल बाजार है, जिसमें कौन-सा कहां पैदा हो रहा है, कहां जा रहा है, कहां जमा हो रहा है, कहां बिक रहा है और कहां उसका इस्तेमाल हो रहा है, उसके बारे में निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। मोबाइल एप, ईमेल सर्वर और वेबसाइट आपको जो मुफ्त सेवा देते हैं, उसके बदले वे आपकी जरूरत, पसंद-नापसंद, जान-पहचान, पूछताछ, खरीदारी, आदतों से जुड़े आंकड़े जमा करते हैं और इसके पहले कि आपका अगला दिन शुरू हो, उन्हें कई जगह बेचा जा चुका होता है। डाटा के इस बाजार में विक्रेता भी हैं, उनका भंडारण करने वाले, विश्लेषण करने वाले भी हैं, उनके दलाल भी हैं, उनके खरीदार भी हैं और चोर-उचक्के भी। यह माना जाता है कि साइबर युग में डाटा का महत्व उतना ही है, जितना औद्योगिक क्रांति के बाद के युग में पेट्रोल का था। डाटा ही वह ईंधन है, जिससे इंटरनेट की दुनिया और इंटरनेट की कंपनियां चलती हैं। यह डाटा ही है, जिसके कारण गूगल दुनिया के बाजार में कोई भी सामान बेचे बगैर 66 अरब डॉलर के सालाना कारोबार वाली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसकी कुल संपत्तियां 131 अरब डॉलर से भी ज्यादा हैं। डाटा से कमाई करने वाली कंपनियां आज जिस जगह पर पहुंच चुकी हैं, पेट्रोलियम का कारोबार करने वाली कोई भी कंपनी आज उसके आस-पास भी नहीं दिखती। और इस समय, जब पेट्रोलियम का बाजार लगातार उतार-चढ़ाव के झटकोंके बीच डोल रहा है, डाटा का कारोबार लगातार ऊपर की ओर जा रहा है। ऐसे में, यह उम्मीद व्यर्थ है कि महज चंद पाबंदियों से डाटा का प्रवाह पूरी तरह रुक जाएगा, जिसने एक तरफ तो हार्डवेयर के जरिए हमारे बाजार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा रखा है, और दूसरी तरफ, वह डाटा कारोबार का बड़ा खिलाड़ी भी बन चुका है। और अगर हम भारत से चीन की ओर जाने वाले सभी तरह के डाटा पर जैसे-तैसे पूरी तरह पाबंदी लगा भी दें, तब भी इसे खुले बाजार से खरीदने का रास्ता उसके पास हमेशा रहेगा। पिछले कुछ समय में चीनी सर्वरों के जरिए जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया में हैकिंग की लगातार कई कोशिशें हुई हैं, वह यह भी बताता है कि चीन ने साइबर डकैती की क्षमताएं भी हासिल कर ली हैं। इस मामले में भी चीन से मुकाबले का रास्ता वही है, जो अन्य क्षेत्रों में है। चीन पर निर्भरता कम करने के लिए बड़े पैमाने पर आधुनिक मैन्युफेक्चरिंग को भारत में स्थापित करने की बात की जाती रही है, यह बात अलग है कि यह काम कभी पूरे दिल से नहीं हुआ। इसी तरह, दवा उद्योग में कच्चे माल के लिए आधुनिक रसायन उद्योग में बड़ी कोशिशों की चर्चा पिछले कुछ समय में चलनी शुरू हुई है। यही काम हमें डाटा उद्योग में भी करना होगा। इस कारोबार का बड़ा खिलाड़ी बने बगैर हम साइबर अर्थव्यवस्था में पिछड़े ही रहेंगे। आत्म गौरव के क्षणों में अक्सर हम भारत को सॉफ्टवेयर उद्योग का सुपर पावर कह देते हैं, लेकिन सच यही है कि अच्छी कमाई के बावजूद हम इस क्षेत्र में अभी तक आउटसोर्सिंग हब बनने से बहुत आगे नहीं बढ़ सके हैं। मामला सिर्फ चीन का विकल्प बनने का नहीं है, कारोबार की उस मंजिल को पकड़ने का है, जिसकी ओर दुनिया बढ़ रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज के ट्वीट

व्यवहार

विकास दुबे, मौलाना साद, इमाम बुखारी में क्या अंतर है विकास दुबे का बंगला ध्वस्त कर दिया गया उसका बैंक एकाउंट फ्रीज कर दिया गया ये बहुत खुशी की बात है यही होना चाहिए इस आतंकी के साथ मौलाना साद, इमाम बुखारी, के साथ ये व्यवहार क्यों नही हुआ उनपर भी तो कई आपराधिक मामले दर्ज हैं.-- -- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

इस इम्तिहान की बात ही कुछ और थी

राबेल केनेडी, पाकिस्तानी ईसाई सीएसएस

मैंने अपनी पूरी जिंदगी अफसरों के दरवाजे खोले। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चों के लिए भी कोई दरवाजे खोले। वे भी इस मुकाम तक पहुंचें। वे भी अफसर बनें।- ये अल्फाज उस पिता के थे, जिनके पास अपने बच्चों की फीस भरने तक के पूरे पैसे न थे, मगर लायक बेटी ने इस अल्फाज के हर हर्फ पर अपना ईमान रख दिया। और आज वह पाकिस्तानी ईसाई समुदाय की पहली सीएसएस हैं। यानी देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा की अफसर- राबेल केनेडी!

सियालकोट के जॉन केनेडी का यह ख्वाब कितना दुस्साहसिक था, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता था। अव्वल तो वह मसीह बिरादरी, यानी अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं और फिर उनकी नौकरी भी ऐसी थी कि उससे घर के ही सारे खर्च पूरे न हों। मगर सपने ऊंचे न देखे जाएं, तो नजीर कैसे कायम होगी? जॉन फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू, यानी एफबीआर में ड्राइवर हैं। साल 1985 में उन्हें इस महकमे में नौकरी मिली और तब से लाहौर, गुजरांवाला और सियालकोट में वह अलग-अलग अफसरों की खिदमत करते रहे हैं। कहते हैं, सोहबत का असर आपकी सीरत में जरूर दिखता है। जॉन के भीतर भी वह हसरत इसी सोहबत की वजह से उठी थी। जिस किसी अफसर के साथ उनकी ड्यूटी पड़ती, वह उसकी शख्सियत के खूबसूरत पहलुओं को अपने बच्चों के लिए समेट लाते। राबेल कहती हैं, 'मेरे वालिद जब भी किसी सीएसएस अफसर के साथ टूर पर जाते, तो वहां से लौटकर हमें उनकी तमाम खूबियों, उनके इल्म के बारे में काफी कुछ बताते। उनकी बातों से हम भाई-बहन काफी मुतासिर होते थे।' सीएसएस का ख्वाब आहिस्ता-आहिस्ता पिता की आंखों से उतर राबेल के मन में जा बसा था। मगर इसके लिए अच्छी तालीम बहुत जरूरी थी। जॉन और उनकी बीवी सबीहा ने अपनी सारी ख्वाहिशें बच्चों पर कुर्बान कर दीं। करीब दो साल तक उन दोनों ने अपने लिए कुछ भी नहीं खरीदा, बस बच्चों की जरूरतों को वे जीते रहे। इस कोशिश में सियालकोट के जीसस ऐंड मैरी कॉन्वेंट का बड़ा साथ मिला। स्कूल ने राबेल और बाकी के चार भाई-बहनों की फीस आधी माफ कर दी थी। पढ़ाई में राबेल का प्रदर्शन शानदार रहा। वह लगातार ऊंचे नंबरों के साथ पोजिशन लेती रहीं। बेटी की प्रतिभा देख पिता की उम्मीदें भी मजबूत होती गईं। वह हर कदम पर राबेल का हौसला बढ़ाते रहे। जीसस ऐंड मैरी कॉन्वेंट से मैट्रिक करने के बाद वह सियालकोट के ही स्टैंडर्ड कॉलेज पहुंचीं, जहां से उन्होंने जूलॉजी में मास्टर्स की डिग्री ली। पर राबेल को अब तक बखूबी इल्म हो चुका था कि उन्हें सामाजिक-आर्थिक मोर्चे के साथ-साथ 'क्लास' और अल्पसंख्यक होने के दबाव से भी लड़ना है। मास्टर्स करने के साथ-साथ राबेल कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जिससे पिता का आर्थिक बोझ कुछ कम हो सके और छोटे भाई-बहनों की पढ़ाई में भी मदद हो पाए। सिविल सर्विसेज की किताबें और अन्य सामग्रियों के लिए भी पैसे चाहिए थे। राबेल अपने उसी स्कूल में दरख्वास्त लिए पहुंचीं, जहां से उन्होंने मैट्रिक्युलेशन किया था। स्कूल उनकी प्रतिभा से अच्छी तरह वाकिफ था। बहैसियत शिक्षक उनका नया सफर शुरू हो गया। शुरू में 12 हजार रुपये तनख्वाह थी, जो बढ़ते-बढ़ते 24 हजार हो गई। मगर राबेल की असली मंजिल तो कुछ और थी। इरादा भी बुलंद था, हालांकि उलझनें भी कम न थीं। सबसे बड़ी परेशानी तो यही थी कि सीएसएस इम्तिहान के लिए कौन-कौन से विषय चुने जाएं? यह उनका पहला प्रयास था। इससे उबरने में पिता के साहबों ने उनकी काफी मदद की। उन्होंने राबेल को न सिर्फ विषयों के चयन, बल्कि किस तरह से तैयारी करनी चाहिए, इसके बारे में गहराई से बताया। तजुर्बेकार लोगों की सलाहों ने इस इम्तिहान से जुड़ी तमाम गांठों को खोल दिया। उन्हें बस अब जुट जाना था। आखिरकार, फरवरी 2019 में सीएसएस इम्तिहान की तारीख भी आ गई। तैयारी मुकम्मल थी, खुद पर भरोसा भी पूरा था, पूरे आत्मविश्वास के साथ इंटरव्यू भी दिया था, मगर नतीजा तो किसी और को तय करना था, सो एक बेकली भी बनी रही। बीते 17 जून को भाई से सूचना मिली कि सीएसएस का रिजल्ट आ गया है। रिजल्ट देखने के लिए जब बहन-भाई ने वेबसाइट को खोला, तो वह ओवरलोडेड थी। सबकी धड़कनें बढ़ने लगी थीं, तभी तैयारी में रहनुमाई करने वाले एक सज्जन ने फोन करके मुबारकबाद दी। तब से बधाइयों का सिलसिला जारी है। राबेल पाकिस्तान विदेश सेवा के लिए चुनी गई हैं। उनके दो और भाई-बहन इस वर्ष की परीक्षा में बैठे हैं। यकीनन, राबेल की कामयाबी ने उनका हौसला बढ़ाया होगा। मुल्क के विदेश मंत्री ने जब जॉन केनेडी को फोन करके कहा कि आपकी परवरिश पर पूरे मुल्क को नाज है, तो पिता की आंखों के कोर भीग गए। तालीम और किताबों से अपनी जिंदगी में वंचित रह गए जॉन को लायक बेटी ने पूरे पाकिस्तान में मशहूर कर दिया है।

प्रस्तुति :- चंद्रकांत सिंह

जून में लिवाल हुए विदेशी निवेशक, लगाए 344 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों का विश्वास जून में दुबारा लौट आया और उन्होंने शुद्ध रूप से 344.09 करोड़ डॉलर का निवेश किया। कोविड-19 महामारी के डर से लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी पोटफोंलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में एक बार फिर लिवाली की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, एफपीआई ने पिछले महीने घरेलू पूंजी बाजार में 344.09 करोड़ डॉलर यानी 26,009.43 करोड़ रुपए की शुद्ध लिवाली की। निवेशकों ने बाजार से जितना पैसा निकाला है उसे बाजार में उनके द्वारा लगाए गए पैसे में से घटाकर शुद्ध लिवाली निकाली जाती है। आलोच्य महीने में उन्होंने 288.96 करोड़ डॉलर के शेयर खरीदे जबकि 20.43 करोड़ डॉलर के डेट बेचे। फरवरी के बाद पहली बार एफपीआई ने बाजार में पैसा लगाया है। मार्च में उन्होंने 1,592.38 करोड़ डॉलर की शुद्ध बिकवाली की थी। अप्रैल में उन्होंने 196.12 करोड़ डॉलर और मई में 97.25 करोड़ डॉलर निकाले थे। इस कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीने में एफपीआई शुद्ध रूप से बाजार से 1,399.91 करोड़ डॉलर की निकासी कर चुके हैं।

गूगल फोटोज में नहीं मिलेगी आपको पुराने फोटो और वीडियो, कंपनी ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली । अपनी फोटो को संरक्षित करने के लिए गूगल फोटोज पर अब आपको पुराने सेव किये हुए फोटो एवं वीडियो के बैकअप की सुविधा नहीं मिलेगी। जानकारी के लिए आपको बता दें कि पहले गूगल का फोटो बैकअप प्लेटफॉर्म आपके एंड्रॉयड या आईओएस डिवाइस में सेव हुई सभी फोटो को अपने आप अपलोड कर देता था, जिसमें वो फोटो और वीडियो भी शामिल थे, जो सरीखे एप द्वारा बनाये गये फोल्डर में स्टोर होते थे। गूगल फोटोज ...इस मामले में गूगल ने कहा है कि उसने अब अपने इस फीचर को बंद कर दिया है और अब आपको खुद इन फोटो को सेव करना होगा या इस सुविधा के लिए इस काम के लिए बने विशिष्ट एप को डाउनलोड करना होगा। से डिलीट हुए फोटो-वीडियो ऐसे ...उसने इसके लिए कोविड-19 की शुरुआत के बाद तस्वीरें साझा करने की प्रवृति में आये उछाल का हवाला दिया है। इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि कोविड-19 की वजह से लोग ज्यादा फोटो और वीडियो साझा कर रहे हैं।

रेलवे ने 16.87 मिलियन टन माल का परिवहन

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे ने कोरोना काल में कठिनतम चुनौतियों के बावजूद 8,168 मालगाड़ियों से देश के विभिन्न हिस्सों में 16.87 मिलियन टन माल का परिवहन किया है।पश्चिम रेलवे की ओर से यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार 22 मार्च से पूर्ण रूप से घोषित लॉकडाउन और वर्तमान में जारी आंशिक लॉकडाउन की कठिनतम चुनौतियों के बावजूद तीन जुलाई तक मालगाड़ियों के 8168 रेक लोड किए जिनमें पीओएल के 893, उर्वरक के 1259, नमक के 458, खाद्यान्नों के 87, सीमेंट के 548, कोयले के 318, कंटेनरों के 4064 और जनरल गुड्स के 39 रेकों सहित विभिन्न आवश्यक वस्तुओं के रेक मुख्य रूप से शामिल हैं। कुल 16.87 मिलियन टन माल इन मालवाहक ट्रेनों से पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में भेजा गया।इनके अलावा मिलेनियम पार्सल वैन और मिल्क टैंक वैगनों के 378 रेक दवाइयों, चिकित्सा किट, जमे हुए भोजन, दूध पाउडर और तरल दूध सहित विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए उत्तरी और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में भेजे गये। कुल 15,328 मालगाड़ियों को अन्य रेलों के साथ जोड़ा गया। कुल 15,328 मालगाड़ियों को अन्य रेलों के साथ जोड़ा गया। इस अवधि के दौरान जम्बो के 1075 रेक, बीओएक्सएन के 581 रेक और बीटीपीएन के 470 रेकों जैसे महत्वपूर्ण आवक रेक विभिन्न स्टेशनों पर श्रमिकों की कमी के बावजूद माल को गंतव्य स्थान प उतारा।

भारत औद्योगीकृत देश क्यों नहीं बन पाया, मारुति के चेयरमैन ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर सी भार्गव का मानना है कि भारत को ऐसा देश बनाना जहां विनिर्माण वैश्विक दृष्टि से प्रतिस्पर्धी हो, काफी मुश्किल है। इसके साथ ही उनकी राय है कि यहां सामाजिक रूप से उचित समाज बनाना भी काफी कठिन है। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भी हम भी प्रतिस्पर्धी औद्योगीकृत देश नहीं बन पाए हैं, जिससे समस्याएं कई गुना बढ़ गई है। अमीर और गरीब का अंतर और बढ़ता जा रहा है और जो परिस्थतियां बनी हैं वे प्रतिस्पर्धी विनिर्माण और सामाजिक न्याया वाले समाज की दृष्टि से अनुकूल नहीं हैं। भार्गव ने कहा कि देश का विनिर्माण क्षेत्र अभी प्रतिस्पर्धी बनने से काफी दूर है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान मात्र 15 प्रतिशत है। इसकी वजह से सामाजिक आर्थिक अंतर को दूर करना अब भी एक दूर का स्वप्न है। हालांकि, भार्गव आशावान हैं। मारुति ने चेयरमैन ने अपनी पुस्तक 'गेटिंग कम्पेटिटिवः ए प्रैक्टिशनर्स गाइड फॉर इंडिया में उन्होंने लिखा है, ''परेशानियों के बावजूद यह अब भी संभव और आवश्यक है कि हम उन उद्देश्यों को हासिल करें जो अभी तक हमसे दूर हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम बदलाव के लिए मजबूत इच्छाशक्ति दिखाएं और देश के विकास के लिए मिलकर काम करें। भार्गव लिखते हैं, ''भारत को औद्योगीकृत बनाने और एक समानता वाला समाज बनाने के लिए क्या करने की जरूरत है? प्रतिस्पर्धी बनना एक ऐसा कार्य है जिसमें देश के सभी लोगों को भूमिका निभानी होगी और अपना पूरा योगदान देना होगा। सरकार और उद्योग अकेले यह काम नहीं कर सकते। इस पुस्तक में भार्गव ने नीति निर्माता तथा उद्योग के नेता के रूप में अपने 60 साल से अधिक के अनुभव का वर्णन किया है।

लगातार छठे दिन स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को लगातार छठे दिन स्थिर रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत आज 80.43 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। यह 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल का मूल्य भी 80.53 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहा।इससे पहले जून में दिल्ली में पेट्रोल 9.17 रुपये यानी 12.87 प्रतिशत और डीजल 11.14 रुपये यानी 16.05 प्रतिशत महँगा हुआ था।कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 82.10 रुपये, 87.19 रुपये और 83.63 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। डीजल के भाव भी कोलकाता में 75.64 रुपये, मुंबई में 78.83 रुपये और चेन्नई में 77.72 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहे।

पंजाब नेशनल बैंक ने सीनियर सिटीजन के लिए किया बड़ा ऐलान, मिलेंगी ख़ास सुविधाएं

बिजनेस डेस्क। देश के दूसरे सबसे बड़े सरकारी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों के लिए बड़ा ऐलान किया है। बैंक, पाठशाला के द्वारा आए दिन कस्टमरों को हो रही परेशानी के समाधान या नई स्कीम की जानकारी देता रहता है। इस बार बैंक ने ट्वीट कर वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को दी जाने वाले विशेष लाभों या सुविधाओं के बारे में बताया है। कुछ समय पहले बैंक ने कैश निकालने, चेकबुक और पासबुक को लेकर किसी भी तरह समस्या सम्बंधित जानकारी शेयर की थी। वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कम ब्याज दरों पर इंसटेंट पर्सनल लोन देने के लिए स्पेशल लोन स्कीम शुरू की है। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिक के जीवन की रक्षा करना है क्योंकि कई बार पैसों की दिक्कत के चलते सही समय पर इलाज नहीं मिलने से लोगों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। एफडी (सावधि जमा) पर 0.5 ब्याज दर मिलेगी अधिक रिटायरमेंट के बाद कस्टमर जहां भी रहेगा उसका अकाउंट उस स्थान पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा चेक का कलेक्शन निः शुल्क किया जाएगा सभी प्रकार के ट्रांसफर पर 50 फीसदी की रियायत दी जाएगी 15,000 रुपए केंद्रीय, राज्य सरकार और सशस्त्र बल से रिटायर्ड पेंशनरों को पेंशन बिल और चेक में छूट।

जून में 12.40 लाख करोड़ रुपए के 4.27 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जून में औसतन प्रतिदिन 14 लाख से अधिक ई-वे बिल निकाले गए। 50,000 रुपए से अधिक के माल के परिवहन के लिए ई-वे बिल जरूरी होता है। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने रविवार को कहा कि जून में प्रतिदिन 14.26 लाख ई-वे बिल निकाले गए जो कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन से पहले के स्तर का करीब 77 प्रतिशत है। जीएसटीएन ने बयान में कहा कि कंपनियों तथा ट्रांसपोर्टरों ने जून में 12.40 लाख करोड़ रुपए के माल के लिए 4.27 करोड़ ई-वे बिल निकाले। यह मार्च में निकाले गए 11.43 लाख करोड़ रुपए के मूल्य वाले चार करोड़ बिल से अधिक है। बयान में कहा गया है कि लॉकडाउन में ढील के बाद यह आर्थिक गतिविधियों में सुधार का संकेतक है। अप्रैल में 3.90 लाख करोड़ रुपए के 84.53 लाख और मई में 8.98 लाख करोड़ रुपए के बिल निकाले गए थे। इसकी तुलना में सरकार के पोर्टल से फरवरी में 15.39 लाख करोड़ रुपए के 5.63 करोड़ और जनवरी में 15.71 लाख करोड़ रुपए के 5.61 करोड़ बिल निकाले गए थे। आंकड़ों के अनुसार 25 जनवरी से 24 मार्च, 2020 के दौरान प्रतिदिन औसतन 18.49 लाख ई-वे बिल निकाले गए। लॉकडाउन के पहले चरण 25 मार्च से 14 अप्रैल के दौरान यह आंकड़ा बड़ी गिरावट के साथ 1.72 लाख बिल प्रतिदिन पर आ गया। लॉकडाउन 2.0 के दौरान 15 अप्रैल से तीन मई तक औसतन प्रतिदिन 3.51 लाख ई-वे बिल निकाले गए। लॉकडाउन के तीसरे चरण यानी चार मई से 14 मई के दौरान प्रतिदिन 6.75 लाख बिल निकाले गए। लॉकडाउन के चरण चार में 15 मई से 31 मई तक प्रतिदनि 9.84 लाख ई-वे बिल निकाले गए।जून में अनलॉक 1.0 के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 14.26 लाख बिल प्रतिदिन पर पहुंच गया।

जून में अनलॉक 1.0 के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 14.26 लाख बिल प्रतिदिन पर पहुंच गया। कोरोना वायरस पर काबू के लिए देश में 25 मार्च को लॉकडाउन लागू किया गया था।

जामुन ने इस बार मधुमेह पीड़ितों को किया निराश

नयी दिल्ली । मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण माने जाने वाले जामुन ने इस साल जलवायु परिवर्तन के प्रकोप के कारण लोगों को निराश किया है। इस बार जामुन की फसल बहुत से स्थानों पर अच्छी नहीं हुई, कहीं-कहीं पर तो एक भी फल नहीं आया। वैसे भी जामुन सभी जलवायु में समान रूप से नहीं फलते हैं। कहीं फसल अच्छी होती है और कहीं बिल्कुल भी फल नहीं आते हैं।केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर जामुन के फसल पर इस बार पड़ा। जनवरी से लगातार हो रही बारिश ने अधिकतर पेड़ों में फूल की जगह पत्तियों वाली टहनियों को प्रेरित किया। आमतौर पर जाड़े का मौसम कुछ ही दिन में खत्म हो जाता है। मौसम के आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि जाड़े की ऋतु के बाद तुरंत तापमान के बढ़ जाने से जामुन में बहुत से स्थान पर फूल नहीं आए।सावंतवाड़ी जो कि कोंकण क्षेत्र में स्थित है, जामुन के लिए मशहूर है परंतु इस वर्ष किसानों को फल ना लगने से परेशानी का सामना करना पड़ा। बहुत से नए उद्यमी जिन्होंने जामुन के संबंधित पदार्थ बनाने में प्रवीणता हासिल की है , फल उपलब्ध न होने के कारण काफी हताश हुए। जलवायु परिवर्तन का जामुन के उत्पादन पर एक विशेष प्रभाव देखा गया। औषधीय गुणों के कारण जामुन की बढ़ती लोकप्रियता से बाजार में इसके फलों की मांग बढ़ती जा रही है और अधिक लाभ के कारण किसान इसके नए बाग लगा रहे है।

चीन से तनातनी के बीच सीमावर्ती इलाकों में सड़कों का काम हुआ तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन से साथ पूर्वी लद्दाख सीमा पर चल रही तनातनी को देखते हुए सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम तेज कर दिया है। इनमें कई हाइवे परियोजनाएं भी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में बन रही कई परियोजनाओं पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और (एनएचआईडीसीएल) काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मुताबिक 17 स्टैटजिक हाइवे-कम-एयरस्ट्रिप पर भी काम चल रहा है जिनमें से तीन का काम पूरा हो चुका है। इन पर जरूरत पड़ने पर विमान को उतारा जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि उत्तराखंड के चारों धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री को ऑल वेदर कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए भी 12,000 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना का काम जोरशोर से चल रहा है। गडकरी ने कहा कि बीआरओ ने ऋषिकेश-धरासू नेशनल हाइवे पर चंबा शहर के नीचे 440 मीटर लंबी सुरंग खोदकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसके लिए ऑस्ट्रिया की अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इसे तय समय से तीन महीने पहले ही अक्टूबर में ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। गड़करी ने कहा, हमने 17 स्ट्रैटजिक प्रोजेक्ट्स में से तीन परियोजनाएं पूरी कर रही हैं। इनमें से अधिकांश सीमावर्ती इलाकों में हैं। बाकी परियोजनाओं पर भी काम तेजी से चल रहा है। इनमें एयरस्ट्रिप भी बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को रक्षा मंत्रालय के सहयोग से बनाया जा रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर सीमावर्ती इलाकों में हाइवे को एयरस्ट्रिप में बदला जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्ट्रिप पर ट्रैफिक को रेलवे की तरह के इलेक्ट्रॉनिक गेट सिस्टम में कंट्रोल किया जाएगा। इससे जरूरत पड़ने पर वहां विमान उतर सकते हैं और उड़ान भर सकते हैं। इसके लिए एक समिति का गठन किया गया था जिसमें हाइवे और डिफेंस मिनिस्ट्री के अधिकारियों को शामिल किया गया था। गडकरी ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए भारतमाला परियोजना के तहत कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। ये परियोजनाएं राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर में शुरू की गई हैं। इसका मकसद सीमावर्ती इलाकों का सर्वांगीण विकास करना है। इससे वहां इंडस्ट्री जाएगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के पहले चरण में 34,800 किमी लंबी सड़कें बनाई जा रही हैं जिन पर 5.35 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर बुनियादी संरचना उद्योग और रोजगार लाता है।

इसके साथ ही, यह सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि और अन्य उपज के मूल्य को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि कुछ सबसे कठिन इलाकों में बीआरओ काम कर रहा है और महत्वपूर्ण परियोजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहा है। हाल ही में बीआरओ ने धारचुला से लिपुलेख तक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क पूरी की है, जिसे कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग के रूप में जाना जाता है। नवनिर्मित 80 किलोमीटर की सड़क चीन की सीमा के साथ 17,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रा को उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा को धारचुला से जोड़ती है। इस परियोजना के पूरा होने से कैलाश मानसरोवर यात्रा अधिक सुगम हो जाएगी। धारचुला-लिपुलेख सड़क पिथौरागढ़-तवाघाट-घाटीबाग मार्ग का विस्तार है। यह घाटीबाग से निकलती है और कैलाश मानसरोवर के प्रवेश द्वार लिपुलेख दर्रे पर समाप्त होती है। 80 किलोमीटर की इस सड़क में ऊंचाई 6,000 फुट से 17,060 फुट हो जाती है। इस सड़क के निर्माण में बीआरओ ने कई जानें गंवाईं और काली नदी में गिरने के बाद 25 उपकरण भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार देश के समग्र बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए 22 ग्रीन एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है।

कैट का सरकार से दुकानों की सील हटाने का आग्रह, पुरी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सरकार से राष्ट्रीय राजधानी की दुकानों की 'सीलिंग हटाने की अपील की है। कैट का कहा है कि कोविड-19 की वजह से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में व्यापारियों को राहत देने के लिए सरकार को तत्काल दुकानों की सीलिंग खोलनी चाहिए। व्यापारियों के संगठन ने इस बारे में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखा है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कोविड-19 की मार से दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके चलते हम सरकार से मांग कर रहे हैं कि दुकानों की सील हटाकर इस संकट के समय व्यापारियों को राहत दी जाए। पुरी को लिखे पत्र में कैट ने दिल्ली में मकान-मालिकों और किरायेदारों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद को समाप्त करने के लिए एक संतुलित दिल्ली किराया कानून को भी अंतिम रूप देने की मांग की है। कैट ने कहा कि सभी संबंधित परिस्थितियों का आकलन करते हुए ऐसा क़ानून बनाया जाना चाहिए, जिसमें किरायेदारों के साथ मकान-मालिकों के हितों का संरक्षण हो। कैट ने यह भी मांग की है की दिल्ली के लिए बनाए जा रहे मास्टर प्लान -2041 के विचार-विमर्श की प्रक्रिया में व्यापारियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। कैट ने इस तरह का ज्ञापन दिल्ली के उपराजयपाल अनिल बैजल को भी भेजा है। पत्र में कहा गया है कि दिल्ली के व्यापारियों के सामने आज रोजी-रोटी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है, ऐसे में अब सब दुकानों की सील खोला जाना बहुत आवश्यक हो गया है। इस दृष्टि से केंद्र सरकार इस मामले में पहल करते हुए एक अध्यादेश पारित करे। कैट ने कहा कि सीलिंग से संबंधित अन्य सभी समस्याओं को फिलहाल स्थगित करते हुए ।

कोरोना वायरस के बीच ग्रामीण बाजारों की मांग शहरी क्षेत्रों से बेहतर: मारुति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में उसकी ग्रामीण इलाकों की मांग शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर है। शहरी क्षेत्रों में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि जून में शुरुआती बारिश अच्छी रहने से भी ग्रामीण बाजारों की धारणा मजबूत है। इससे खरीफ फसल की बुवाई बेहतर रही है। उन्होंने कहा, ''अभी ग्रामीण मांग शहरी की तुलना में कुछ बेहतर है। जून में ग्रामीण बाजार में मारुति की बिक्री में ग्रामीण बाजार की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। श्रीवास्तव ने इसकी वजह बताते हुए कहा, ''पहली बात की कोविड-19 से ग्रामीण क्षेत्रों की धारणा कम प्रभावित हुई है। वास्तव में कोविड-19 के नियंत्रण वाले ज्यादातर क्षेत्र शहरों में हैं। इसके अलावा रबी फसल अच्छी रही है। जून में शुरुआती मानसूनी बारिश अच्छी रही है, जिससे खरीफ फसल की बुवाई बेहतर है। उन्होंने कहा कि यदि पिछले साल से तुलना की जाए, तो ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में बिक्री घटी है, लेकिन ग्रामीण बाजार में बिक्री शहरी क्षेत्र की तुलना में कुछ बेहतर है। श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण बाजार में भी बिक्री में गिरावट है, लेकिन यह शहरी क्षेत्र की तुलना में कम है। जून में मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 53.7 प्रतिशत घटकर 53,139 इकाई रही। जून, 2019 में कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,14,861 वाहन बेचे थे। हालांकि, जून की बिक्री मई से बेहतर रही। मई में कंपनी ने घरेलू बाजार में 13,888 वाहन बेचे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या आगे चलकर कंपनी बिक्री की रफ्तार को कायम रख पाएगी, श्रीवास्तव ने कहा, ''इसका अनुमान लगाना काफी मुश्किल है। काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि कोविड-19 की स्थिति कैसी रहती है। ऐसे में भविष्य के बारे में अनुमान नहीं लगाया जा सकता। इस सवाल पर कि क्या कंपनी पहली तिमाही में बिक्री में आई गिरावट की भरपाई वित्त वर्ष की शेष अवधि में कर पाएगी, उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि कोविड-19 की स्थिति आगे क्या रहेगी।

दूसरी तिमाही के बाद सरकारी बैंकों की पूंजी की जरूरतों की समीक्षा कर सकता है वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्रालय सितंबर तिमाही के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पूंजी की आवश्यकता का आकलन कर सकता है, क्योंकि उस समय तक खराब ऋणों में बढ़ोतरी के बारे में आंकड़े स्पष्ट हो जाएंगे। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। कोरोना वायरस महामारी तथा इसकी रोकथाम के लिये देश भर में लगाए गए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था में सुस्ती आई है। इस कारण ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में वृद्धि देखने को मिल सकती है। ऐसा होने की स्थिति में रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत बैंकों को एनपीए के लिए किया जाने प्रावधान बढ़ाना पड़ेगा। सूत्रों का कहना है कि यदि आरबीआई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिये ऋण पुनर्गठन के अनुरोध को स्वीकार कर लेता है, तो बैंकों को राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि कर्ज की किस्तें चुकाने से राहत की अवधि अगस्त में समाप्त हो रही है। उसके बाद ही एनपीए को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकती है। ऐसे में एक बार जब दूसरी तिमाही के आंकड़े स्पष्ट हो जाएं, पूंजी की आवश्यकता की समीक्षा तभी करना उचित होगा। बैंकिंग क्षेत्र के कारोबारी तथा उद्योग संगठन सीआईआई के अध्यक्ष उदय कोटक का कहना है कि अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिये ।

सरकारी बैंकों को सरकार से वित्तीय मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के बैंकों को आगे की चुनौतियों से जूझने के लिए विभिन्न स्त्रोतों से पूंजी जुटाने की जरूरत होगी। चुनौतियों से जूझने के लिए विभिन्न स्त्रोतों से पूंजी जुटाने की जरूरत होगी। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि बैंकिंग क्षेत्र को ऋण आवश्यकताएं पूरा करने के लिए तत्काल तीन से चार लाख करोड़ रुपए के पुनर्पूंजीकरण की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि बैंकिंग क्षेत्र के एनपीए में वित्त वर्ष 2020-21 में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान जताए जा रहे हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 में सरकारी बैंकों में 70 हजार करोड़ रुपए की पूंजी डालने का प्रस्ताव किया था। सरकार इसमें से 65,443 करोड़ रुपए पिछले वित्त वर्ष में सरकारी बैंकों में विभिन्न उपायों के माध्यम से डाल चुकी है।

लैंबॉर्गिनी को अपनी ऑर्डर बुक के बूते बिक्री में गिरावट की 'भरपाई' का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इटली की सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी लैंबॉर्गिनी को भरोसा है कि वह अपनी मजबूत ऑर्डर बुक के जरिए भारत में कोरोना वायरस की वजह से इस साल बिक्री में आने वाली गिरावट की भरपाई कर पाएगी। कंपनी ने लॉकडाउन में ढील के बाद परिचालन शुरू कर दिया है। इस महीने से कंपनी ने वाहनों की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। लैंबॉर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अभी नए ऑर्डर अधिक नहीं मिल रहे हैं। लेकिन ऑर्डर रद्द भी नहीं हो रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने स्वास्थ्य संकट की वजह से डिलिवरी में देरी करने को कहा है। अग्रवाल ने कहा, ''अब भी हमारे पास उरस के काफी ऑर्डर हैं। इस साल की शुरुआत में हमने नई इवो आरडब्ल्यूडी भी उतारी है। इससे साल भर के लिए हमारा ऑर्डर बैंक तैयार हो चुका है। इस वजह से चालू साल में हम अच्छी बिक्री दर्ज कर सकेंगे।'' कंपनी ने पिछले साल भारतीय बाजार में 2.5 करोड़ रुपए से अधिक कीमत के 52 सुपर लक्जरी वाहन बेचे थे। हालांकि, कंपनी मानना है कि इस साल उसकी बिक्री पिछले साल की तुलना में कम रहेगी। अग्रवाल ने कहा, ''निश्चित रूप से हमारी बिक्री पिछले साल के समान नहीं रहेगी। लेकिन ऑर्डर बुक की वजह से इसमें अधिक गिरावट नहीं आएगी।'' उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास जो भी ऑर्डर हैं, उन्हें रद्द नहीं किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से इटली में कंपनी का कारखाना 13 मार्च से 25 अप्रैल तक बंद रहा। इस वजह से डिलिवरी में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कुछ मामलों में ग्राहकों ने डिलिवरी एक-माह देरी से करने को कहा है। अग्रवाल ने कहा कि इन सब चीजों के बीच एक अच्छी बात यह है कि ग्राहक हमारे पास आकर यह नहीं कह रहे हैं कि मैं कार नहीं खरीदना चाहता। अनलॉक 1.0 के बाद आठ जून से कंपनी की डीलरशिप खुल गई है और अभी वहां 50 प्रतिशत परिचालन हो रहा है। अग्रवाल ने कहा कि बाजार हालांकि धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

जॉनसन के पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद नैसकार रेस होगी

इंडियानापोलिस । नैसकार का पहला ड्राइवर कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया है लेकिन इसके बावजूद इंडियानापोलिस मोटर स्पीडवे पर रेस जारी रहेंगी। सात बार के नैसकार चैंपियन जिम्मी जॉनसन शुक्रवार के नतीजे के बाद पृथकवास में जाएंगे और संभवतः अपनी अंतिम ब्रिकयार्ड 400 रेस में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। जॉनसन में लक्षण नहीं दिखाई दिए थे लेकिन पत्नी चेनी के पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्होंने अपना परीक्षण कराया जो पॉजिटिव आया। जॉनसन ने कहा कि वह इन पॉजिटिव नतीजों के अपने छोटे बच्चों पर भावनात्मक असर से निराश और चिंतित हैं। वह इस सत्र के बाद पूर्णकालिक रेस से हटने की योजना बना रहे हैं लेकिन खेल से दूर नहीं होंगे। जॉनसन ने कहा कि वह इन पॉजिटिव नतीजों के अपने छोटे बच्चों पर भावनात्मक असर से निराश और चिंतित हैं। वह इस सत्र के बाद पूर्णकालिक रेस से हटने की योजना बना रहे हैं लेकिन खेल से दूर नहीं होंगे।

क्रिकेटर ऑफ द ईयर

क्विंटन डिकॉक दूसरी बार क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए, महिलाओं में यह अवॉर्ड लॉरा वोल्वार्ट को मिलो

मुंबई ।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने क्विंटन डीकॉक को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया है। क्रिकेट के सीमित ओवर फॉर्मेट के कप्तान डीकॉक के 2017 के बाद दूसरी बार यह सम्मान मिला। वहीं, महिलाओं में इस अवॉर्ड के लिए ओपनर लॉरा वोल्वार्ट को चुना गया है। उन्हें प्रोज वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुना गया है। खिलाड़ियों को वर्चुअल अवॉर्ड समारोह में शनिवार को सम्मानित किया गया। कोरोना के कारण कोई कार्यक्रम नहीं हो सका। द. अफ्रीका को मार्च में भारत दौरे पर 3 वनडे खेलना था। पहला मैच बगैर टॉस के बारिश के कारण रद्द हो गया था, बाकि दो मैच वायरस के कारण टाल दिए गए। क्विंटन पहले क्रिकेटर नहीं है, जिन्हें दो बार सीएसए के क्रिकेट ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है। इनसे पहले 5 क्रिकेटर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। जैक्स कैलिस (2004 और 2011), मखाया एनटीनी (2005 और 2006), हाशिम अमला (2010 और 2013), एबी डिविलियर्स (2014 और 2015) और कगिसो रबाडा (2016 और 2018)। क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2004 में पहली बार कैलिस को दिया गया था। इसके बाद यह अवॉर्ड शॉन पोलक (2007), डेल स्टेन (2008), ग्रीम स्मिथ (2009), वर्नोन फिलेंडर (2012) और फाफ डु प्लेसिस (2019) को भी मिल चुका है। बॉलर लुंगी एनगिडी को पुरुषों का वन-डे और टी-20 क्रिकेटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं, पिछले साल डेब्यू करने वाले बॉलर एनरिच नॉर्त्जे को अपने तीसरे वनडे में डेविड वॉर्नर का विकेट लेने के लिए इंटरनेशनल न्यू कमर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महिलाओं में बॉलर शबनम इस्माइल को टी-20 प्लेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जबकि 19 साल की बेट्समैन नॉनकुलेक्को म्लाबा को इंटरनेशनल वुमन न्यू कमर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। वहीं, अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक को सीएसए अंपायर ऑफ द ईयर सम्मान मिला। क्विंटन डी कॉक क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) के रेगुलर विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 47 टेस्ट में 39.12 की एवरेज से 2934 और 121 वन-डे में 44.65 की औसत से 5135 रन बनाए हैं। वहीं टी-20 के 44 मैचों में 31.34 की एवरेज से 1226 रन बनाए हैं। लॉरा को हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने अपनी टी-20 टीम में भी शामिल किया था।

सिरी ए फुटबॉलः क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से यूवेंटस ने टोरिनो को 4-1 से हराया

मिलान।

क्रिस्टियानो रोनालडो के फ्री किक पर दागे गोल की मदद से यूवेंटस ने सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में टोरिनो को 4-1 से हराया। इस मैच के दौरान जियानल्युगी बुफोन ने सिरी ए में सर्वाधिक मैचों में उतरने का रिकॉर्ड भी बनाया। रोनाल्डो ने यूवेंटस की ओर से तीसरा गोल दागा जिससे मौजूदा लीग में उनके लीग गोलों की संख्या 25 हो गई। वह लाजियो के काइरो इमोबाइल से चार गोल पीछे हैं जो शीर्ष पर चल रहे हैं। रोनाल्डो का यूवेंटस की ओर से लगभग दो सत्र में फ्री किक पर यह पहला गोल है। उन्होंने अपने 43वें प्रयास में गोल दागा। यह रोनाल्डो का फ्री किक पर 46वां क्लब गोल है। रोनाल्डो के अलावा यूवेंटस की ओर से पाउलो डाइबाला और युआन कुआड्रेडो ने पहले हाफ में गोल दागे जबकि टोरिनो की ओर से एंड्रिया बेलोटी ने गोल किया। टोरिनो के डिफेंडर कोफी जिदजी ने दूसरे हाफ में आत्मघाती गोल भी दागा। यूवेंटस ने इस जीत से अपने रिकॉर्ड में सुधार करने वाले लगातार 10वें खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। टीम ने दूसरे स्थान पर चल रहे लाजियो पर सात अंक की बढ़त बना ली है जिसे एसी मिलान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। यूवेंटस के बुफोन का इटली की शीर्ष लीग में यह 648वां मैच था जिससे 42 साल के इस गोलकीपर ने एसी मिलान के पूर्व दिग्गज पाउलो मालदीनी को पीछे छोड़ दिया। मालदीनी ने 2009 में रिकॉर्ड बनाया था।

इंग्लैंड दौरे पर बोले विंडीज तेज गेंदबाज रोच - हमारे लिए एशेज की तरह

मैनचेस्टर । तेज गेंदबाज केमार रोच को लगता है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला वेस्टइंडीज के लिये एशेज की तरह ही है और उनकी टीम पिछले साल घरेलू सरजमीं पर जीती गई ट्राफी का बचाव करने की पूरी कोशिश करेगी। साउथम्पटन के एशेज बाउल में शुरूआती टेस्ट बुधवार से शुरू हो रहा है और कोरोना वायरस के कारण मार्च से निलंबित हुई सभी खेल गतिविधियों के बाद से यह पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबला होगा। वेस्टइंडीज ने पिछले साल कैरेबियाई सरजमीं का दौरा करने वाली जो रूट की इंग्लैंड टीम को 2-1 से शिकस्त दी थी और रोच ने कहा कि मेहमान टीम उसी नतीजे को फिर से हासिल करना चाहती हे। रोच ने से कहा, 'हम मजबूत थे और इस चीज ने लय बनाई। हर किसी ने प्रदर्शन किया और हम यहां भी उसी तरह के प्रदर्शन का अनुकरण करने की कोशिश करेंगे। ट्राफी कैरेबियाई सरजमीं पर वापस ले जाना हमारा पहला लक्ष्य है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में जीत हासिल करना शानदार होगा लेकिन यह ट्रॉफी का बचाव करना है। यह हमारी सबसे बड़ी श्रृंखला है, यह हमारे लिए एशेज की तरह है इसलिए यह उतनी ही चुनौतीपूर्ण है। रोच दोनों टीमों के बीच पिछली श्रृंखला में 18 विकेट झटककर सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज रहे थे और उन्हें अपने निरंतर प्रदर्शन के लिये 'मैन आफ द सीरीज चुना गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है और इस 31 साल के खिलाड़ी को लगता है कि अब गेंद को चमकाना काफी मुश्किल होगा लेकिन गेंदबाज इसका तरीका ढूंढ लेंगे। उन्होंने कहा, 'हां, यह सबसे कठिन चीज होगी, लेकिन उम्मीद करते हैं कि दिन में कुछ गर्मी होगी और खिलाड़ियों को कुछ पसीना आयेगा।

नए नियमों के साथ होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट्स पर नजर, ज्यादातर कोरोना संक्रमितों में लक्षण नजर नहीं आने से भी चिंता बढ़ी

मुंबई ।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच बुधवार से होने वाले पहले टेस्ट मैच से 4 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी होगी। लंबे समय बाद क्रिकेट की वापसी से सभी खुश हैं। लेकिन जिस तरह कोरोना ने पूरी दुनिया को पलट दिया है, इससे सभी में चिंता भी है। स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, सभी एहतियात बरते गए हैं। दुनिया भर में पॉजिटिव आए ज्यादातर व्यक्तियों में वायरस के लक्षण नहीं मिले हैं। इसी वजह से गलती की गुंजाइश नहीं के बराबर है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करेन को बुखार और खांसी की वजह से आइसोलेट कर दिया गया। उनका कोरोना टेस्ट निगेटिव आया। कल्पना कीजिए अगर रिजल्ट पॉजिटिव आता तो क्या होता।

सुरक्षित वातावरण में होंगे मैच

इस सीरीज को लेकर क्रिकेट की दुनिया में लगातार चर्चा हो रही है। सभी नजरें इस पर होंगी कि मैच का आयोजन कैसे होता है। क्रिकेट के नियम में कोरोना सब्सटिट्यूट जोड़ा गया है। लेकिन गौर करने वाली बात होगी कि गेंदबाज और फील्डर, गेंद पर लार नहीं लगाने वाले नियम का कैसे पालन करते हैं। मैच बायो-सिक्योर वातावरण में खेला जाएगा। मैच बायो-सिक्योर वातावरण में खेला जाएगा। फैंस को आने की अनुमति नहीं होगी। इन सब के बीच सीरीज में रोमांचक क्रिकेट की उम्मीद की जा रही है।

वेस्टइंडीज टीम नस्लवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देगी

इंग्लैंड को पिछली सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अगर बल्लेबाज अच्छा स्कोर बनाते हैं तो विंडीज के पास इंग्लैंड पर दबाव बनाने वाली तेज गेंदबाजी है। ब्लैक लाइव्स मैटर भी प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए ट्रिगर हो सकता है।

करने के लिए ट्रिगर हो सकता है। जेसन होल्डर की टीम अपने प्रदर्शन से नस्लवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देना चाहेगी।

संक्षिप्त समाचार

ब्रैड हॉग ने माना, यह बल्लेबाज तोड़ सकता है सचिन के 100 शतकों का रिकार्ड

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग का मानना है कि महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों का रिकॉर्ड भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली तोड़ सकते हैं। इस बात का दावा उन्हें अपने यूट्यूब चैनल पर एक सवाल का जवाब देते हुए किया है। एक प्रशंसक ने हॉग से यूट्यूब चैनल पर पूछा कि क्या कोहली सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। इस जवाब में हॉग ने कहा, हां, बिल्कुल। वह कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सचिन ने जब क्रिकेट शुरू की थी तब के मुकाबले फिटनेस स्तर काफी अच्छा है। उन्होंने कहा, साथ ही के समय में उन्हें बेहतरीन ट्रेनरों से काफी मदद मिलती है। उनके पास फिजियो और डॉक्टर है। कुछ भी होता है लोग उससे तुरंत छुटकारा पा लेते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए खिलाड़ी ज्यादा मैच नहीं छोड़ते और इस समय ज्यादा क्रिकेट हो रही है। इसलिए हां वह रिकार्ड तोड़ सकते हैं। गौर हो कि सचिन ने अपने करियर में वनडे में 51 और टेस्ट में 49 शतक लगाए हैं। वहीं कोहली की बात की जाए तो उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक बना लिए हैं जिसमें वनडे में 43 और टेस्ट में 27 शतक है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कोहली से की स्टोक्स की तुलना, कहा- शानदार कप्तान साबित होगा

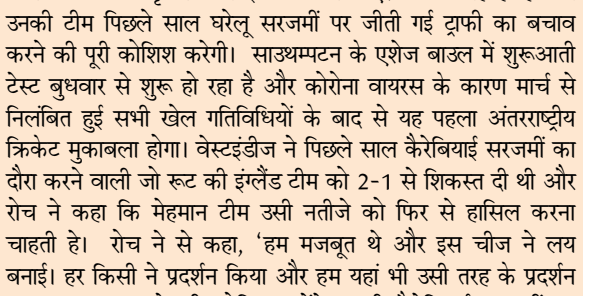

मुंबई ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बेन स्टोक्स की नेतृत्वक्षमता की तुलना विराट कोहली के साथ करते हुए कहा है कि यह आलराउंडर जो रूट की गैरमौजूदगी में आठ जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथम्पटन में शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट में टीम की कमान संभालेगा तो 'शानदार कप्तान साबित होगा। विश्व कप में इंग्लैंड की जीत के हीरो स्टोक्स को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मंगलवार को रूट की जगह कप्तान चुना गया। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए रूट ने छुट्टी ली है और वह अपनी पत्नी के साथ हैं। इंग्लैंड जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगा जिसके साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी जो कोरोना वायरस महामारी के कारण ठप्प पड़ा है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने हुसैन ने कहा, 'आम तौर पर बेन स्टोक्स जो करता है वह थोड़ा विराट कोहली की तरह है। वह जो भी करता है उसमें शत प्रतिशत देता है। इसलिए मुझे लगता है कि वह शानदार कप्तान साबित होगा, हालांकि वह अभी सिर्फ कार्यवाहक कप्तान है। उन्होंने कहा, 'दूसरे बच्चे के जन्म के लिए रूट बाहर है। कार्यवाहक कप्तान के रूप में मैं उसका समर्थन करता हूं और मुझे लगता है कि वह शानदार पसंद है। वह जो रूट के प्रति भी वफादार है। इंग्लैंड की ओर से 96 टेस्ट खेलने वाले रूट ने हालांकि कहा कि वह स्टोक्स को अभी पूर्णकालिक कप्तानी देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन यह दीर्घकालिक चीज है, एक आलराउंडर के रूप में उस पर काफी जिम्मेदारी है, तीनों प्रारूपों में खेलता है, संभवतः आईपीएल भी होने वाला है।

मुझे लगता है कि उस पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन बेन स्टोक्स को कभी कमतर मत आंको। रूट ने कहा, 'वह शानदार कप्तान बन सकता है लेकिन भविष्य में वह अगर पूर्णकालिक तौर पर यह जिम्मेदारी संभालता है तो मैं भविष्य में उस पर काम के बोझ को लेकर थोड़ा चिंतित हूं।

हैमिल्टन को पीछे छोड़ बोटास ने हासिल की पोल पोजीशन

स्पीलबर्ग । छह बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के लुइस हैमिल्टन को उनके टीम साथी फ़िनलैंड के वाल्टेरी बोटास ने पीछे छोड़कर सत्र की पहली फार्मूला वन रेस ऑस्ट्रियन ग्रां प्री में शनिवार को पोल पोजीशन हासिल कर ली। कोरोना के कारण लगभग चार महीने तक सत्र के बंद रहने के बाद फार्मूला वन की ऑस्ट्रिया ग्रां प्री से शुरुआत हुई है। हैमिल्टन और उनके टीम साथी वाल्टेरी बोटास ने शुक्रवार को दोनों फ्री अभ्यास सत्रों में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि शनिवार को पहली प्रैक्टिस में रेस दोनों फिर पहले और दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन दूसरी प्रैक्टिस रेस में बोटास ने हैमिल्टन को पीछे छोड़कर पोल पोजीशन हासिल कर ली।हैमिल्टन और बोटास इस सत्र में नस्लभेद के खिलाफ आवाज बुलंद कर काली ड्रेस और काली मर्सिडीस कार में रेस कर रहे हैं और उनकी कार पर लिखा था नस्लवाद बंद करो। उनके हेलमेट पर 'ब्लैक लाइव्स मैटर' भी लिखा हुआ था। उन्होंने शुक्रवार को फ्री अभ्यास सत्र में एक मिनट 04.304 सेकंड का सबसे तेज समय निकाला था जबकि शुरूआती अभ्यास में उनका कुल समय 1:04.816था। बोटास सुबह के सत्र में हैमिल्टन से 0.356 सेकंड पीछे रहे लेकिन दोपहर में उन्होंने फासला घटाकर 0.197 सेकंड कर दिया।शनिवार को हैमिल्टन ने पहले प्रैक्टिस रेस एक मिनट 04.130 सेकंड का सबसे तेज लैप समय निकाला। बोटास उनसे 0.147 सेकंड धीमा रहे। दूसरी प्रैक्टिस रेस में हैमिल्टन अपने साथी के एक मिनट 02.939 सेकंड के समय के मुकाबले मात्र 0.012 सेकंड धीमा रहे। मर्सिडीस टीम रविवार को ग्रिड पर पहले और दूसरे स्थान से शुरुआत करेगी। मर्सिडीस ने इसके साथ ही फेरारी के ग्रिड पर 65 बार पहले दो स्थान हासिल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।ऑस्ट्रिया में खिताबी हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरे रेड बुल के मैक्स वेरस्टेपन प्रैक्टिस में तीसरे सबसे तेज रहे और वह ग्रिड पर तीसरे स्थान से शुरुआत करेंगे। मैक्लॉरेन के 20 वर्षीय लेंडो नोरिस चौथे स्थान पर उतरेंगे। फेरारी के लिए आज कुछ भी अच्छा नहीं रहा और चार बार के विश्व चैंपियन सेबेस्टियन वेटल टॉप-10 में जगह नहीं बना पाए और वह 11वें स्थान

चेसएबल मास्टर्स फाइनल - मेगनस कार्लसन नें अनीश के खिलाफ बनाई बढ़त

नॉर्वे । चेसएबल मास्टर्स के फ़ाइनल मे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें नीदरलैंड के अनीश गिरि को 3.5-2.5 के अंतर से पराजित करते हुए बेस्ट ऑफ थ्री के फ़ाइनल मे 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है । दोनों के बीच कुल 4 रैपिड मुक़ाबले खेले गए जिसमें दोनों के बीच पहला मुक़ाबला स्लाव ओपनिंग मे खेला गया जिसमें 50 चालों के बाद काले मोहरो से खेल रहे कार्लसन बेहतर तो थे पर जीत नहीं सके और परिणाम ड्रॉ रहा । दूसरे मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन मे 62 चालों मे प्यादों के एंडगेम मे जीत दर्ज करते हुए 1.5-0.5 से बढ़त हासिल कर ली दोनों के बीच तीसरा मुक़ाबला ड्रॉ रहा और ऐसा लगा की कार्लसन चौंथे मुक़ाबले मे ड्रॉ खेलकर आसानी से दिन अपने नाम करेंगे पर सिसिलियन रोजोलिमों मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कार्लसन नें 20वीं चाल में एक ऐसी गलती की मात्र 26 चाल मे उन्हे हार स्वीकार करनी पड़ी और स्कोर 2-2 हो गया । इसके बाद टाईब्रेक के दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले गए जिसमें एक बारा फिर पहला मुक़ाबला अनिर्णीत रहा और स्कोर 2.5-2.5 पर पहुँच गया । ऐसे मे सबकी नजरे अंतिम ब्लिट्ज़ मुक़ाबले पर थी जिसमें कार्लसन नें आखिरकार फाइनल जीत दर्ज की । निमजों इंडियन ओपेनिंग मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें 54 चालों मे हाथी और ऊंट के एंडगेम मे जीत अपने नाम की और पहले दिन 3.5-2.5 के परिणाम से अपने पक्ष मे रखते हुए 1-0 की पहले दिन 3.5-2.5 के परिणाम से अपने पक्ष मे रखते हुए 1-0 की बढ़त हासिल कर ली ।

श्रीलंका का स्टार क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, अपनी कार से कुचला था बुजुर्ग को

कोलंबो । श्रीलंका के बल्लेबाज कुसाल मेंडिस को रविवार को गाड़ी से एक व्यक्ति को कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। श्रीलंका की नॉर्दन पुलिस के स्पोक्सपर्सन एसएसपी जालिया सेनारत्ने ने मेंडिस की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टी की है। मेंडिस की गाड़ी से कोलंबो के उपनगर पनादुरा में तड़के रास्ते पर चल रहा 74 साल का व्यक्ति दुर्घटना का शिकार हो गया जिससे उसकी मौत हो पुलिस ने बताया कि मेंडिस को आज मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाएगा। पच्चीस साल के विकेटकीपर बल्लेबाज मेंडिस ने 44 टेस्ट और 76 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया है। वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थे जिसने कोविड-19 लॉकडाउन के बाद ट्रेनिंग शुरू की है। महामारी के कारण श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच रद्द हो गए हैं जिसमें भारत का श्रीलंका दौरा भी शामिल है।श्रीलंकाई क्रिकेटर कुसल मेंडिस ने साइकिल सवार बुजुर्ग को कुचला, पुलिस ने किया गिरफ्तारबताते चलें कि मेंडिस श्रीलंका के लिए 44 टेस्ट और 76 वनडे खेल चुके हैं और टीम का नियमित हिस्सा हैं। लॉकडाउन से पहले इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह टीम का हिस्सा थे और फिलहाल टीम के ट्रेनिंग का भी हिस्सा हैं।

ईरान के 12 फुटबॉल खिलाड़ी कोरोना संक्रमित

तेहरान । ईरान के दो फुटबॉल क्लबों एस्टेगलाल और फूलाद के कुल 12 खिलाड़ी कोरोना वायरस 'कोविड-19' से संक्रमित पाये गये हैं। तस्नीम समाजार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार एस्टेगलाल के छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। एस्टेगलाल क्लब की ट्रेनिंग पर्स जानौबी के खिलाफ बुशेहर में होने वाले मैच के एक दिन पहले शनिवार को रोक दी गई।क्लब के डॉक्टर कावेह सोतूदेह ने कई अन्य खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने की आशंका जताई है। इन खिलाड़ियों के जांच के नतीजे आने बाकी है। फूलाद ने भी घोषणा की है कि उसके भी छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। ईरानी स्वास्थ्य अधिकारियों के नये नियमों के मुताबिक अगर एक टीम के पांच खिलाड़ी वायरस से संक्रमित होते हैं तो टीम के मैच रद्द कर दिए जाएंगे। वैश्विक महामारी के कारण ईरान में फरवरी से स्थगित हुए फुटबॉल सुपर लीग मैच पिछले हफ्ते फिर से शुरू हुए।

विराट कोहली ने किया बीसीसी के नियमों का उल्लंघन, दर्ज हुई शिकायत

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली पर बीसीसीआई के नियमों का उल्लंघन करने और हितों के टकराव का आरोप लगा है। हितों के टकराव को लेकर कोहली के खिलाफ शिकायत भी दर्ज की गई है। कोहली के खिलाफ यह शिकायत संजीव गुप्ता ने दर्ज कराई, जिन्होंने इससे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण के खिलाफ हितों के टकराव को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। बीसीसीआई के एथिक्स अधिकारी जस्टिस डीके जैन के पास भेजी गई शिकायत के मुताबिक कोहली एक खिलाड़ी और भारतीय टीम के कप्तान होने के अलावा एक खेल मार्केटिंग कंपनी के निदेशक हैं। ऐसे में ये बीसीसीआई के नियम 38 (4) का सरासर उल्लंघन है जिसे भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मंजूरी दे दी है। शिकायतकर्ता संजीव गुप्ता ने कहा कि कोहली विराट कोहली स्पोर्ट्स एलएलपी व कॉर्नरस्टोन वेंचर्स पार्टनर्स एलएलपी के निदेश हैं। इन दो कंपनियों में उनके साथी निदेशक कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट व एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक भी हैं, जो भारतीय कप्तान व अन्य क्रिकेटरों के कमर्शियल रुचि का प्रबंधन करते हैं। शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों को साबित करने के लिए बीसीसीआई के एथिक्स ऑफिसर के पास सबूत भी जमा किए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विकास दुबे की ढाल बने नेताओं–अफसरों पर योगी सख्त

कुख्यात के करीबियों की बन रही लिस्ट

लखनऊ (एजेंसी)। आठ पुलिसकर्मियों की जान लेने वाले विकास दुबे के 36 घंटे से अधिक समय से पकड़ से बाहर होने से प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिह्न लगने लगे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार और अपनी साख बचाने के लिए हर संभव जतन में जुटे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विकास दुबे से जुड़े सभी पार्टियों के नेताओं, मंत्रियों और अधिकारियों के नाम की लिस्ट तैयार करवा रहे हैं। इस काम में खुफिया विभाग के साथ ही कई प्रमुख लोगों को लगाया गया है। भाजपा के जिन लोगों के संबंध विकास दुबे से बताए जा रहे हैं, उन सभी से संबंधों के बारे में पूरा ब्यौरा देने को कहा गया है। यह सब बहुत गोपनीय तरीके से चल रहा है। पता चला है कि जिन नेताओं पर शक की सुई घूम रही है, उन्हें स्वयं उपस्थित होकर मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखने को कहा गया है। इस घटना के बाद सरकार के एक मंत्री के साथ वायरल हो रही विकास दुबे की फोटो को लेकर भी योगी सरकार छानबीन कर रही है।

संगठन और सरकार के स्तर पर पूछताछ

बताया जा रहा है कि ऐसे लोगों से भी संगठन और सरकार के स्तर पर पूछताछ होगी। सरकार के साथ–साथ अब भाजपा संगठन के उच्च पदाधिकारी भी पार्टी और सरकार की साख बचाने की इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। तय किया गया है कि लोगों में पार्टी और सरकार की छवि अच्छी बनाने के लिए किसी को भी बेनकाब करने से सरकार पीछे नहीं हटेगी। चाहे वे पार्टी और सरकार का हिस्सा ही क्यों ना हों। चर्चा तो यहां तक है कि विकास दुबे को शह देने वाले और उनसे नफरत करने वालों के दो गुट तैयार हो गए हैं। एक गुट अपनी सफाई देने की तैयारी में जुटा है तो दूसरा गुट सामने वाले को बेनकाब करने में लग गया है।

सभी की होगी सीएम के सामने पेशी

सूत्रों से पता चला है कि दोनों गुटों के लोग बारी–बारी से मुख्यमंत्री और संगठन के उच्च पदाधिकारियों के सामने उपस्थित होकर अपनी बात रखेंगे। मुख्यमंत्री के तेवर देखते हुए यह साफ लग रहा है कि विकास दुबे को प्रश्रय देने वाले ऐसे कई चेहरों से जल्दी नकाब उठेगा।

अवैध बम फैक्ट्री में धमाका आठ की मौत और 20 से अधिक घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के मोदीनगर तहसील के पास स्थित बरखवां गांव में अवैध रूप से संचालित एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार की दोपहर एक के बाद एक कई धमाके हुए। इस घटना में अभी तक आठ लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। जबकि दर्जन भर से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के अलावा अन्य पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और पुलिस ने फैक्ट्री के अंदर से शवों को निकालने के साथ ही आग बुझाने की कवायद तेज कर दी है।

पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री में भी बम बनाने का काम चल रहा था। आशंका है कि उस वक्त फैक्ट्री के अंदर करीब 30 लोग काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते फैक्ट्री में एक के बाद एक कई धमाके हुए और पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। अंदर काम कर रहे मजदूरों ने भागने का प्रयास तो किया, लेकिन आग की लपटों में बुरी तरह से घिर जाने की वजह से कुछ ही लोग बाहर निकल पाए। इधर, धमाके की सूचना से बरखवां ही नहीं, आसपास के गांव यहां तक कि गाजियाबाद तक दहशत की स्थिति बन गई। आनन फानन में जिला मुख्यालय से राहत टीमों को रवाना करने के बाद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के साथ मौके के लिए रवाना हो गए। उधर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नीरज कुमार जादौन भी दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर राहत कार्य शुरू करा दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनी गई। ग्रामीणों ने बताया कि यह फैक्ट्री अवैध रूप से आवासीय क्षेत्र में करीब पांच साल से संचालित हो रही थी।

इसकी पूरी सूचना पुलिस और प्रशासन को थी, बावजूद इसके इसे बंद कराने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। इसी फैक्ट्री में पूर्व में काम करने वाले किसी व्यक्ति ने पुलिस में लिखित शिकायत दी थी।

इसके बाद सीओ मोदीनगर और थाना प्रभारी ने फैक्ट्री आकर मुआयना किया था। यहां तक कि फैक्ट्री संचालक को हिरासत में भी लिया गया था। लेकिन देर रात उसे छोड़ दिया गया।

पुलिसकर्मियों व सीओ की हत्यारों के खिलाफ बिना भेदभाव के कार्यवही कराए सरकार :लक्ष्मी धनगर

अलीगढ(एजेसी)। लक्ष्मी धनगर, समाजसेवी व पूर्व सांसद प्रत्याशी ने अकराबाद के गाँव रायपुर मनीपुर मे ग्रामीणों के साथ कानपुर देहात जिले में चौबेपुर थाने के बिकरू गांव में शातिर व दुर्दात अपराधियों द्वारा पुलिस टीम पर हमले मे शहीद 08 पुलिसकर्मियों को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने पुलिसकर्मियों की शहादत को नमन करते हुए शोक संतृप्त शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। अपराधियों ने कर्तव्यपथ पर अपनी जान न्यौछावर करने वाले पुलिसकर्मियों व सीओ की हत्या कर उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को सीधे चनौती दी है। यह रा. गटे खड़े करने वाला जघन्यतम हत्याकांड है । प्रदेश सरकार से मांग की कि 08 पुलिसकर्मियों के हत्यारों व घटना मे शामिल सभी दोषियों के विरुद्ध बिना भेदभाव के कठोरतम कार्यवाही कर कानून का राज होने का उदाहरण पेश करें। उत्तर प्रदेश में यह पहली घटना है जब इतनी बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी व अधिकारी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद हुए है, यह अत्यंत दुखद व निंदनीय है ।

श्रद्धांजलि देने वालों मे कुंव. रपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह, प्रमोद धनगर, मोहित, मिहीलाल, हरेंद्र सिंह, कलावती, प्रेमवती, चरण सिंह, भुवनेश सिंह विजयपाल सिंह राजवीर सिंह इत्यादि लोग शामिल थे.

कानपुर मुठभेड़ में एक और बड़ा खुलासा एक दरोगा, दो सिपाहियों की भी मिलीभगत

कानपुर (एजेसी)। कानपुर चौबेपुर मुठभेड़ में एक और बड़ा खुलासा हुआ है।

तत्कालीन चौबेपुर एसओ के साथ ही एक दरोगा, दो सिपाहियों का भी विकास दुबे से कनेक्शन जुड़ रहा है। विकास दुबे की मोबाइल नंबर की सीडीआर से यह जानकारी पुलिस को मिली है। इसमें एक शर्मा सिपाही और एक अन्य सिपाही है। मुठभेड़ की रात भी विकास या उसके गुर्गे से इनकी फोन पर बातचीत हुई है। सूत्रों के अनुसार मिलीभगत के साक्ष्य मिलने के बाद ही एसओ विनय तिवारी को निलंबित किया गया है।

मामले में एक दरोगा की भी भूमिका संदिग्ध है। उससे जुड़ी जानकारी भी पुलिस अधिकारियों को मिली है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक ये दरोगा भी विकास दुबे के संपर्क में था। सूचना लीक होने में इनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

एसओ खिलाफ भेजी थी सीओ ने रिपोर्ट पांच महीने पहले चौबेपुर के जरारी गांव में तत्कालीन सीओ बिल्हौर देवेंद्र मिश्र ने लाखों रुपये का जुआ पकड़ा था। इस मामले में उन्होंने तत्कालीन एसएसपी को रिपोर्ट भेजी थी। इसमें बताया था कि जुआ थानेदार के संरक्षण में चलता है। उसे हर महीने मोटी रकम पहुंचती है। एसएसपी ने रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं की। तभी से सीओ और एसओ के बीच अनबन शुरू हो गई थी।

नोएडा से लेकर नेपाल बॉर्डर तक अलर्ट, एसटीएफ की 20 टीमें लगी

कानपुर शूटआउटः विकास दुबे पर 1 लाख का इनाम

लखनऊ (एजेंसी)। विकास दुबे की गिरफ्तारी के लिए नोएडा से लेकर नेपाल बॉर्डर तक अलर्ट कर दिया गया है। विकास की गिरफ्तारी के लिए यूपी पुलिस और एसटीएफ की 20 टीमें और तीन हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। नेपाल भागने की आशंका को देखते हुए बॉर्डर से सटे सातों जिलों में विशेष अलर्ट किया गया है। विकास के परिवार के लोगों समेत करीब 500 करीबियों के मोबाइल फोन पुलिस ने सर्विलांस पर ले रखे हैं। उसके करीबी पुलिसकर्मियों की भी निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही विकास के ऊपर इनाम की राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दिया गया है। डीजीपी ने बताया कि 75 जिलों में विकास दुबे और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। डीजीपी ने एडीजी क्राइम के एस प्रताप कुमार को विकास दुबे से जुड़े मुकदमे और उसकी गिरफ्तारी के लिए चल रहे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा एडीजी एलओ प्रशांत कुमार, आईजी एसटीएफ अमिताभ यश भी ऑपरेशन से जुड़े हुए हैं। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, पीलीभीत, श्रावस्ती और बलरामपुर के कप्तानों से भी संपर्क रखने को कहा गया है।

कोर्ट के बाहर लगा दी गई फोर्स

लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी में शनिवार को एकाएक फोर्स तैनात कर दी गई। एसपी पूनम, अपर पुलिस अधीक्षक, तीन थानों की पुलिस मोहम्मदी पहुंच गई। सूत्रों के अनुसार किसी अपराधी द्वारा आत्मसमर्पण की सूचना पर पुलिस की तैनाती की गई थी। लेकिन शाम तक कोई आत्मसमर्पण करने नहीं पहुंचा।

संतोष शुक्ला हत्याकांड को दोबारा खुलवाएगी सरकार

19 साल पहले थाने में पुलिस और भीड़ के सामने हुए राज्यमंत्री संतोष शुक्ला और बीजेपी कार्यकर्ता अजय मिश्रा हत्याकांड को फिर से खोले जाने की तैयारी है। विकास दुबे इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित होने के बावजूद वर्ष 2005 में कोर्ट से बरी हो गया था। संतोष शुक्ला के घरवालों का आरोप है कि तत्कालीन बीएसपी सरकार ने निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील नहीं की थी। इस कारण मुख्य आरोपित विकास दुबे बच गया।

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने संकेत दिए हैं कि सरकार 12 अक्टूबर 2001 को हुई इस वारदात से जुड़े मुकदमे को फिर से शुरू कराने की तैयारी है। इसके लिए केस का स्टेटस निकलवाया जा रहा है।

छोटे भाई की पत्नी के अवैध सबंधों में बाधक बनी मां की हत्या

अलीगढ(एजेसी)। थाना जवां क्षेत्र के गांव छलेसर में दो दिन पहले अवैध संबंधों में बाधक बनी मां की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुये उसके बेटे व बहू को गिरतार कर लिया है। बेटे देवप्रकाश के छोटे भाई की पत्नी के साथ संबंध थे, जिसका मां विरोध करती थी। इसीलिए दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। बहू ने खाने में नशे की दवा मिलाकर दी थी और बेटे ने गला काट दिया। सी. ओ ने बताया कि थाना प्रभारी अभय शर्मा की टीम ने देवप्रकाश को कासिमपुर मोड़ छेरत वन चेतना केंद्र के सामने से पकड़ा है, जबकि शीलोको पिलोना बॉर्डर से गिरतार किया गया।

पुलिस के अनुसार गांव छले. सर निवासी स्व. बलवंत क्षसह की पत्नी लोंगश्री (60) के तीन पुत्रों में बड़ा बेटा चरन सिंह अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता है। मझले बेटे देवप्रकाश की शादी नहीं हुई। छोटा बेटा ओमपाल शादीशुदा है। मंगलवार को ओमपाल अपनी बहन के घर डिबाई चला गया।

इसी रात को वेदप्रकाश व शीला ने लोंगश्री की हत्या कर दी। वेदप्रकाश फरार था। शीला ने खुद को बचाने के लिए शोर मचा दिया कि देवप्रकाश हत्या कर भाग गया है। सीओ अनिल समानिया ने बताया कि थाना प्रभारी अभय शर्मा की टीम ने देवप्रकाश को कासिमपुर मोड़ छेरत वन चेतना केंद्र के सामने से पकड़ा है, जबकि शीला को पिलोना बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया। देवप्रकाश ने बताया कि शीला के साथ अवैध संबंध थे। इसका मां विरोध करती थी, जिसे लेकर शीला और लोंगश्री में झगड़े होते थे।

तभी दोनों ने योजना बनाई। शीला ने वेदप्रकाश को पांच रुपये देकर नशे की दवा मंगवाई। फिर रात में खाने में मिलाकर मां को नशे की दवा खिला दी।

इसके बाद वेदप्रकाश ने रात ढाई बजे छुरे से मां का गला काट दिया। वेदप्रकाश की निशानदेही पर पुलिस ने छुरा बरामद कर लिया।

पत्नी के साथ छेड़खानी का विरोध करने पर युवक की गोली मारकर हत्या

उरई (एजेसी)। जिले के नदीगांव थाने के ग्राम सिकरी में पत्नी संग हुई छेड़खानी का विरोध करने और आरोपित के घर शिकायत करने पहुंचे युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित हवाई फायरिंग करता हुआ भाग निकला। जानकारी के मुताबिक शनिवार की शाम दलित अरविंद की पत्नी अपने घर के बाहर काम कर रही थी तभी गांव का दीपाशु गुर्रज शराब के नशे में हाथ में तमंचा लिये निकला और छेड़खानी कर दी। पत्नी ने शोर मचाया तो उसका अरविंद और परिजन बाहर आ गए और उसका विरोध करने लगे। इस पर आरोपित मौके से भाग निकला। बाद में अरविंद आरोपित के घर शिकायत करने पहुंचा तभी वहां दीपाशु आ गया और उसने अरविंद की गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर पुलिस पहुच गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए आरोपित के घर मे तोड़फोड़ कर दी। आरोप लगाया कि पुलिस ने ही आरोपित को भागने का मौका दिया। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

एटीएम लूटने आए बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़, एक गिरफ्तार

सम्भल (एजेसी)। जिले के नखासा क्षेत्र में रविवार को एटीएम लूटने आए बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से एक सिपाही घायल हो गया जबकि एक बदमाश गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस को कुछ बदमाशों द्वारा नखासा थाना क्षेत्र के सिरसी मार्ग पर भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम लूटे जाने की सूचना मिली थी जिस पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घेराबंदी की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया, जिसमें सिपाही कुश राज जख्मी हो गया। उन्होंने बताया कि जवाबी फायरिंग में शाहरुख नामक बदमाश भी जख्मी हुआ। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। बदमाशों के पास से एक कार और एक गैस कटर बरामद किया गया है। प्रसाद ने बताया कि घायल सिपाही और बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आठ साल की बालिका को अगवा कर दुष्कर्म की कोशिश

बाराबंकी (एजेसी)। जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के बाहर अपनी दादी के साथ सो रही आठ वर्षीय मासूम को उसका पड़ोसी अपहरण कर के अपने घर उठा ले गया। आरोपी ने बालिका से दुराचार का प्रयास किया। शोर सुनकर मौके पर पहुंची आरोपी की मां ने बच्ची को किसी तरह बचाया। सूचना पर पुलिस ने भाग रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पिता की तहरीर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। प्राप्त विवरण के मुताबिक थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की रात आठ वर्षीय बालिका अपनी दादी के साथ घर के बाहर सो रही थी। रवि शंकर उर्फ कल्लू (28) रात में सो रही बालिका को चुपचाप अपने घर उठा ले गया। कमरे में ले जाकर दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा।

जिंदगी से खिलवाड़ 25 सौ रुपये में कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट

मेरठ (एजेंसी)। कोरोना के खिलाफ जंग में भ्रष्टाचारियों ने भी सेंध लगा दी है। मेरठ में हापुड़ रोड स्थित न्यू मेरठ हॉस्पिटल के दो वीडियो वायरल हुए हैं। इसमें ढाई हजार रुपये लेकर कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट देने की बात कही जा रही है। चिंता की सबसे बड़ी वजह यह है कि यह रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल से बनकर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। डीएम और सीएमओ ने वीडियो का संज्ञान लिया है। सीएमओ ने जांच बैठा दी है।

वायरल वीडिया में हापुड़ रोड स्थित न्यू मेरठ हॉस्पिटल के भीतर वीडियो बनाने वाला एक व्यक्ति सामने बैठे अस्पताल के स्टाफ से पूछता है कि यह रिपोर्ट प्राइवेट आएगी या सरकारी। अस्पताल का स्टाफ बताता है कि रिपोर्ट प्यारेलाल अस्पताल से आएगी। इसके बाद वीडियो बनाने वाला व्यक्ति अस्पताल के स्टाफ को दो हजार रुपये देता है और कहता है कि पांच सौ रुपये बाद में देंगे। अस्पताल स्टाफ पैसे लेकर कहता है कि शाम को फोन कर लेना, इसके बाद ही आना। रिपोर्ट की कॉपी अगले दिन शाम तक दे दी जाएगी। अस्पताल स्टाफ यह भी बताता है कि असली टेस्ट जो जिला अस्पताल या मेडिकल में हो रहे हैं, उसे कराने में बड़ी परेशानी है। वहां से टेस्ट कराने जाओगे तो सैंपल अंदर से निकाला जाएगा और बड़ी दिक्कत होगी। ये तो हमारी सेटिंग है और तुम लोगों को निगेटिव रिपोर्ट मिल जाएगी। अस्पताल का उक्त कर्मचारी डराता भी है कि जांच कराने मेडिकल कॉलेज चले गए और रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई तो पूरा परिवार परेशानी में आ जाएगा। कुछ नहीं तो 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन होना पड़ेगा। हमारी रिपोर्ट को लेकर कहीं भी चले जाना और दिखा देना। इस पर मेडिकल कॉलेज की मोहर लगी रहेगी। रिपोर्ट 7 से 15 दिन के लिए मान्य रहेगी और तुम्हारा काम हो जाएगा। दूसरी वायरल वीडियो अस्पताल के अंदर काउंटर की है। यहां पर रिपोर्ट के बारे में बात करते दिखाई दे रहे कुछ लोगों ने स्टाफ से जानकारी हासिल की। इसके बाद, अपना नाम भी बताया।

न्यू मेरठ हॉस्पिटल का संचालन डॉ. काशिफ, डॉ. अरशद जावेद, शाह आलम पिछले 11 साल से कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अस्पताल में 15 बेड हैं। सूत्रों के मुताबिक, यहां लॉकडाउन के दौरान सैकड़ों महिलाओं की डिलीवरी कराई जा चुकी है। इनमें से ज्यादातर की कोरोना संक्रमण की जांच ही नहीं कराई गई।

गर्लफ्रेंड ने बनाया शादी के लिए दबाव तो लड़के ने बुला ली पुलिस

गोरखपुर (एजेसी)। गोरखपुर में मुंबई की रहने वाली एक लड़की अपने बॉयफ्रेंड से शादी के लिए जिद करने लगी। मगर, उस युवक ने लड़की से किसी तरह के प्रेम संबंध होने से साफ इनकार कर दिया और पुलिस बुला ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को थाने ले गई। बाद में पुलिस ने समझाकर प्रेमिका को उसकी मौसी के घर भेज दिया। वही, अब लड़की ने पुलिस को शिकायत देकर इंसाफ की गुहार लगाई है। बताया गया कि करीब ढाई साल पहले एक विवाह समारोह के दौरान अंकित सहानी की मुलाकात मुंबई के पनवेल की रहने वाली एक लड़की से हो गई। उस लड़की का गांव कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र में है। दोनों एक ही विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। पहली मुलाकात में दोनों में दोस्ती हुई, फिर दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद लड़की मुंबई चली गई, कुछ दिन बाद अंकित साहनी भी काम के सिलसिले में पनवेल चला गया। पनवेल में रहकर वह फर्नीचर का काम करने लगा। अंकित लॉकडाउन में अपने गांव वापस आ गया। उधर मुंबई में उसकी गर्लफ्रेंड उसका इंतजार करती रही, जब अंकित नहीं आया तो उसके इंतजार का बांध टूट गया। इसके बाद 1 जुलाई को शादी रचाने के लिए वह अकेले ही मुंबई से चल दी। अंकित के घरवालों को अपनी प्रेम कहानी सुनाकर शादी करने का दबाव बनाने लगी। इधर अंकित के घरवालों ने प्रेमिका से कहा कि घर के लोगों के साथ बातचीत होगी, उसके बाद जैसा होगा देखा जाएगा। जब प्रेमिका ने अंकित के घरवालों की बात भी नहीं मानी तो पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद प्रेमिका थाने पहुंची, उसने लिखित तहरीर देकर शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस मामले में निरीक्षक मनोज कुमार राय का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच चल रही है। लड़की ने लिखित तहरीर दी है, इसी के आधार पर दोनों पक्षो में बातचीत चल रही है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ममता सरकार के एमपी ने निर्मला सीतारमण को बताया जहरीली नागिन, भड़की बीजेपी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने विवादित टिप्पणी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तुलना ''जहरीले सांप से की। इस पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के नेताओं से नियंत्रण खो दिया है और वे हताशा में ''बेतुकी बातें कर रहे हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों और रेलवे के प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ शनिवार को बांकुरा में एक रैली को संबोधित करते हुए कल्याण बनर्जी ने सीतारमण के इस्तीफे की मांग की। बनर्जी ने कहा कि जिस तरह एक जहरीले सांप के काटने से इंसान मर जाता है, उसी तरह निर्मला सीतारमण की वजह से देश के लोग एक के बाद एक मर रहे हैं क्योंकि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने सीतारमण को दुनिया की ''सबसे खराब वित्त मंत्री बताया। भाजपा ने उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल की अध्यक्ष ममता बनर्जी का पार्टी के नेताओं पर नियंत्रण नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि तृणमूल में भ्रष्टाचार शीर्ष से लेकर निचले स्तर तक फैल गया है। वे लोग अंदरूनी झगड़े में उलझे हुए हैं और उनमें से कई सत्तारूढ़ दल में बने हालात से ध्यान भटकाने की खातिर बेसिर-पैर की बातें कर रहे हैं। घोष ने कहा कि ऐसी टिप्पणियों को हम अधिक महत्व नहीं देते हैं। वे हताशा में आकर ऐसी बेतुकी बातें कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने नए भारत का वादा किया था और इसे उन्होंने तष्ठक की विकास दर को बेहद खराब स्थिति में पहुंचा कर पूरा किया।

कोरोना का अब तक का बड़ा रिकॉर्ड- 24 घंटे में 24 हजार नए केस, 613 लोगों की मौत

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

देश में कोरोना की रफ्तार धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। देश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 24,850 नए मामले सामने आने से भारत संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में तीसरे स्थान पर मौजूद रूस के बेहद करीब पहुंच गया है, वहीं इस अवधि में रिकॉर्ड 613 लोगों की मौत हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 24,850 नए मामले सामने आए हैं जिससे कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,73,165 हो गई है, वहीं रूस में अब तक 6,73,564 मामले सामने आए हैं। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 613 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 19,268 हो गई है। इस बीच संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान 14,856 रोगी स्वस्थ हुए हैं, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 4,09,083 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। देश में अभी कोरोना संक्रमण के 2,44,814 सक्रिय मामले हैं। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या दो लाख से अधिक हो गई है। राज्य में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 7,074 मामले दर्ज किए गए जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 2,00,064 पर पहुंच गया है तथा 295 लोगों की मौत हुई है जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 8,671 हो गई है। राज्य में 1,08,082 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंचे तमिलनाडु में संक्रमितों की संख्या एक लाख के पार हो गई है तथा पिछले 24 घंटों में संक्रमितों की संख्या 4,280 बढ़कर 1,07,001 पर पहुंच गई है और इसी अवधि में 65 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 1,450 हो गई है। राज्य में 60,592 लोगों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है।

कर्नाटक पर फिर लगी ब्रेक, 33 घंटे के कर्फ्यू ने लोगों को किया घर में कैद

नेशनल डेस्क। प्राण घातक कोरोना वायरस के मद्देनजर कर्नाटक में शनिवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह पांच बजे तक यानी 33 घंटे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा ने सभी विभाग को बिना किसी भय के दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कोरोना वायरस को परास्त करने लिए दिशा-निर्देशों का पालन करने और घरों में रहने की अपील की है। कर्फ्यू के दौरान सिर्फ जरूरी सेवाएं ही उपलब्ध रहेंगी। इस दौरान लोगों को घरों से बाहर निगलने की अनुमति नहीं होगी। कर्फ्यू के दौरान वाहन नहीं चलेंगे। इस वजह से के.एस.आर.टी.सी या बी.एम.टी.सी की सेवाएं भी उपलब्ध नहीं होंगी। यहां तक कि ऑटो-रिक्शा, ओल, उबर और निजी बसें भी अगले 33 घंटे तक नहीं चलेंगी। येदियुरप्पा ने लॉकडाउन को दोबारा लागू करने के बारे में कहा कि इसकी जरूरत नहीं हैं क्योंकि मुझे विश्वास है कि जनता सरकार के साथ सहयोग करेगी और मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने और घरों से बाहर न निकले जैसे दिशा-निर्देशों का पालन करेगी।

साइकिल गर्ल ज्योति की हत्या की खबर बेबुनियाद, अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर

दरभंगा। अपने पिता को साइकिल पर बैठाकर गुरुग्राम से दरभंगा आने वाली ज्योति के साथ दुष्कर्म और हत्या की खबर सोशल मीडिया के लगभग सभी प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही है। वहीं दरभंगा जिला पुलिस इस खबर को भ्रामक बताते हुए अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रही है। दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक बाबूराम ने रविवार को सोशल साइट पर आ रही इस खबर को पूरी तरह से बेबुनियाद और असत्य बताया। उन्होंने मामले को स्पष्ट करते हुए कहा कि दरभंगा के पतोर सहायक थाना क्षेत्र के पतोर गांव में पिछले बुधवार को बागीचे से एक लड़की का शव बरामद किया गया था, जिसकी पहचान ज्योति पासवान के रूप में की गई। वहीं कुछ लोगों ने मृत ज्योति पासवान को साइकिल गर्ल ज्योति मानकर अफवाह फैला दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उन्होंने गलत खबर पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर झूठी खबर प्रसारित कर जातीय तनाव भड़काने वाले के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने ऐसे कुछ पोस्ट को चिन्हित भी कर लिया है।

मुंबई में हाईटाइड की चेतावनी, लोगों को समुद्र तट से दूर रहने की हिदायत

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन बारिश जारी रही, जिसके चलते निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने तटीय जिलों में हाई टाइड का अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही लोगों से समुद्र तट से दूर रहने की अपील की जा रही है। वहीं भारी बारिश के कारण मुंबई के हिंदमाता क्षेत्र और सायन किंग सर्कल में जलभराव हो गया है, जिस कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को 12.23 मिनट पर 4.63 मीटर की हाई टाइड होने की संभावना है। ऐसे में लोगों को घरों में रहने की ही हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने मुंबई, रायगढ़ और रत्नागिरि के लिए शुक्रवार को रेड अलर्ट जारी किया था और पालघर, मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों में कई स्थानों पर शनिवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया था। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के एक अधिकारी ने कहा कि सायन और मिलन सबवे जैसे निचले इलाकों में जल-जमाव की सूचना मिली है। लेकिन अभी तक बड़े पैमाने पर जल-जमाव की कोई शिकायत नहीं आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मुंबई के उपमहानिदेशक के एस होसालिकर ने शनिवार को ट्वीट किया था कि पिछले 24 घंटे में मुंबई में भारी बारिश हुई। मुंबई और पश्चिम तट में भारी बारिश जारी रहेगी। इस बीच, रत्नागिरी ब्यूरो ने शुक्रवार से 69.3 मिमी और हरनाई मौसम स्टेशन ने 165.2 मिमी बारिश दर्ज की थी।

104 साल के दादाजी ने कोरोना से जीती जंग, 11 दिन में ठीक होकर अस्पताल से लौटे घर

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कोरोना वायरस के कहर ने अब तक देश में 19 हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी लील ली है। कोरोना संकट के बीच जो राहत की खबर है वो यह कि देश में अब तक 4,09,082 लोग वायरस को मात दे चुके हैं। वायरस को हराने वालों में 104 साल के आनंदी झा का नाम भी शामिल है। झुकी कमर और हाथों में लकड़ी पकड़े 104 साल के आनंदी झा जब अपने घर जाने के लिए अस्पताल से बाहर आए तो सभी ने उनको खुशी-खुशी विदा किया। वहीं जब वे अपने घर पहुंचे तो लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। दादा जी घर आ गए कहकर लोगों ने उनका स्वागत किया। इस उम्र में कोरोना को हराने को लेकर आनंदी झा काफी सुर्खियों में हैं। दरअसल कोरोना का ज्यादा असर बच्चों और 50 साल से ज्यादा उम्र वालों पर हो रहा है। आनंदी झा का बड़ा बेटा मुकेश पेशे से बिल्डर है, उसे भी कोरोना हो गया था। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पूरे परिवार की कोरोना जांच हुई थी। जांच में मुकेश के पिता आनंदी झा की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। उन्हें 23 जून को वेदांत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आनंदी झा ने 11 दिनों में कोरोना का मात दे दी। परिवार में सिर्फ आनंदी की पत्नी और उनका भांजा निगेटिव आए। मुकेश ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पिता की उम्र ज्यादा होने के कारण हम लोग काफी टेंशन में थे इसलिए उनको प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुकेश ने बताया वह और उनके तीन बच्चे घर पर ही क्वारंटाइन थे।

गुरु पूर्णिमा के मौके पर राहुल गांधी का पीएम मोदी पर कटाक्ष- सत्य छुप नहीं सकता

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरु पूर्णिमा के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। हालांकि इस दौरान भी वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर निशाना साधने से पीछे नहीं हटे। राहुल गांधी ने रविवार को ट्विटर पर गौतम बुद्ध का एक कथन साझा करते हुए लिखा कि तीन चीज़ें जो देर तक छिप नहीं सकतीं- सूर्य, चंद्रमा और सत्य। आप सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। दरअसल कांग्रेस नेता पिछले कुछ दिनों से पीएम मोदी से सत्य बोलने की मांग कर रहे हैं, ऐसे में यह ट्वीट कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि देशभक्त लद्दाखवासी चीनी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी सुननी चाहिए क्योंकि यदि उनकी बात को नजरअंदाज किया गया तो देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा था कि कृपया, भारत की खातिर उन्हें सुनिए।

नेपाल में राजनीतिक घमासानः संकट में फंसे पीएम ओली ने मंत्रियों से पूछा-साफ बताओ,किसकी तरफ हो?

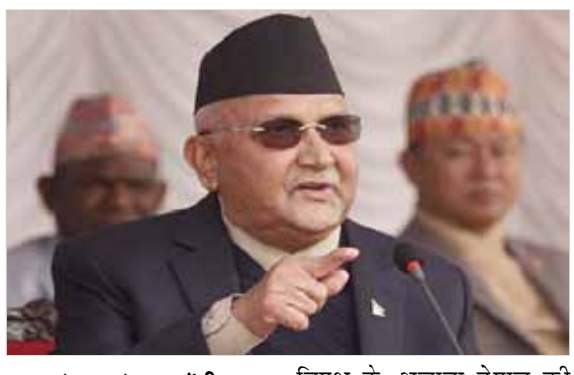

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

नेपाल में राजनीतिक घमासान पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। कारण है नेपाल का चीन और पाकिस्तान की शह पर भारत से सीमा विवाद होना। भारत विरोधी नीतियों के चलते नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को ऐपने ही देश में संकट का सामना करना पड़ रहा है और उनके इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। विपक्ष के अलावा नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कई नेताओं की ओर से भी ओली पर इस्तीफे का दबाब बनाया जा रहा है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की सबसे पावरफुल इकाई सचिवालय समिति के 9 में से 6 सदस्यों ने प्रधानमंत्री ओली को सोमवार तक इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है लेकिन ओली ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है। ओली के विरोध में रहे पुष्प कमल दहल प्रचंड, वरिष्ठ नेता माधव नेपाल और झलनाथ खनाल, पार्टी उपाध्यक्ष बामदेव गौतम, ओली कैबिनेट में गृह मंत्री रहे रामबहादुर थापा ने बीते शनिवार को अलग से बैठक की थी। जिसके बाद कहा गया कि पार्टी की स्थायी समिति की बैठक से जो भी फैसला होगा वो सबको मानना ही होगा, क्योंकि पार्टी ही सर्वोपरि है। पार्टी का एक खेमा ओली के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है। वहीं दूसरी ओर आनन-फानन में प्रधानमंत्री ओली ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि अगर सोमवार को पार्टी केपी शर्मा ओली के खिलाफ फैसला करती है तो उससे पहले ही वो दल विभाजन का अध्यादेश ला सकते हैं। ओली की गलतियों के कारण टूट की कगार पर पहुंची सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री ओली ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों को किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है। ओली ने शनिवार शाम हुई कैबिनेट की आपात बैठक में अपने मंत्रियों से कहा कि वे साफ बताएं कि किसकी तरफ हैं? किसका समर्थन करेंगे? क्योंकि पार्टी और देश मुश्किल में हैं। यह जानकारी बैठक में मौजूद एक मंत्री ने दी।

बैठक में हुई औपचारिक बातचीत का ब्योरा जारी नहीं किया गया। ओली ने कहा कि पार्टी के कुछ नेता उन्हें हटाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही ये लोग राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी के खिलाफ महाभियोग चलाने की साजिश रच रहे हैं, क्योंकि उन्होंने मेरा समर्थन किया था। भंडारी और ओली के बीच बहुत अच्छे राजनीतिक संबंध हैं। ओली के समर्थन से, भंडारी 2015 के बाद से दो बार राष्ट्रपति बन चुकी हैं।

कोरोना टीका विकसित करने की होड

नेशनल डेस्क। कोरोना का टीका विकसित करने के लिए होड़ तेज हो गई है क्योंकि क्लिनिक ह्यूमन ट्रायल के दूसरे चरण के लिए भारत के औषधि नियंत्रक से कई प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को नियामक अनुमति मिल गई है। हाल ही में, भारत बायोटैक के वैक्सीन प्रत्याशी कोवैक्सीन, जो उसने आई.सी.एम.आर. तथा राष्ट्रीय वायरोलॉजी संस्थान (एन.आई.वी.) के सहयोग से विकसित की है, को मानव परीक्षण के लिए अनुमोदन मिला है। यह अनुमोदन पाने वाला पहला स्वदेशी टीका है। एन.आई.वी. ने वायरस स्ट्रेन पृथक करने के बाद टीका विकसित करने के लिए उसे भारत बायोटैक को स्थानांतरित कर दिया था। वीरवार को जायडस कैडिला के प्लास्मिड डी.एन.ए. टीका प्रत्याशी जायकोव-डी को औषधि नियंत्रक से अनुमोदन मिला। आई.सी.एम.आर. द्वारा कोविड का टीका 15 अगस्त को बाजार में लाने की तिथि तय करने के बाद जायडस कैडिला ने अपनी उत्पादन क्षमता को चुस्त-दुरुस्त कर लिया है तथा वह देश के साथ ही विदेशी मांग भी पूरा करना चाहती है। उधर, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड तथा एस्ट्राजैनेका का प्रयोगात्मक टीका क्लिनिकल ट्रायल के अंतिम चरण में पहुंच गया है। वैज्ञानिकों ने दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी ऑफ विटवॉटर्सरैंड में ऑक्सकोव-19 या ऑक्सफोर्ड टीके का ट्रायल शुरू कर दिया है। उसके भारतीय पार्टनर भारतीय सीरम संस्थान को उम्मीद है कि टीका इस साल के अंत तक आ जाएगा। इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स (आई.आई.एल.) भी छोटे जानवरों तथा बंदरों पर प्री-क्लिनिकल ट्रायल कर रहा है। ये ट्रायल दिसंबर तक चल सकते हैं। भारतीय सीरम संस्थान के सीईओ अदार पूनावाला का कहना है कि तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल के बाद ही फर्म टीका लांच करने के बारे में सोचेगी। करने के लिए एस्ट्राजैनेका के साथ पार्टनरशिप रखने के साथ ही भारतीय सीरम संस्थान सांस रोग के वायरस से लडने वाले इम्युनिटी बूस्टर के रूप में मिश्रित बी.सी.जी. पर भी काम कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अब आलीशान नहीं सस्ता घर ढूंढ रहे लोग, कोविड-19 ने समझा दी इसकी जरूरत

नेशनन डेस्क। कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन के बीच लोगों को घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करना पड़ रहा है। रीयल्टी कंपनियों का कहना है कि ऐसे में खरीदार अपनी जेब अधिक ढीली करने को तैयार नहीं हैं, और वे लक्जरी यानी महंगे मकानों के बजाय बजट अनुकूल घरों की खरीद करना चाहते हैं। अक्षय होम्स लि. के संस्थापक टी चिट्टी बाबू ने कहा कि पहले जो लोग 'पेइंग गेस्ट के रूप में रहना चाहते थे, अब वे अपने बजट में अपार्टमेंट खरीदना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस महामारी ने डेवलपर्स और लोगों के लिए काफी अवसर पैदा किए हैं। अब ग्राहकों को अपने घर की जरूरत समझ आ गई है। डेवलपर्स के लिए इससे बेशक लक्जरी नहीं, लेकिन बजट खंड में मांग पैदा होगी। बाबू ने कहा कि अब लोगों ने जान लिया है कि उन्हें चुनौती के साथ रहना सीखना होगा। ऐसे में उन्हें पैसा बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पहले लोग अपने बजट को बढ़ाकर बड़ा अपार्टमेंट खरीदना चाहते थे, लेकिन अब वे अपने बजट में ही घर खरीदना चाहते हैं।

ब्यूटी पार्लर में मेकअप करवाने आई दुल्हन की गला रेत कर सनसनीखेज हत्या

रतलाम। जिले के जावरा में रविवार सुबह दिल दहला देने वाली वारदात हुई। जिस घर में खुशिया छाई हुई थी वहां पलक झपकते मातम छा गया। अपनी शादी के लिए मेकअप करवाने ब्यूटी पार्लर गई एक दुल्हन की अज्ञात आरोपी ने गला रेत कर हत्या कर दी। कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग बड़ी वजह है। सूचना मिलते ही जावरा सीएसपी पी.एस. राणावत पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, घटना रविवार सुबह की है। शाजापुर निवासी सोनू यादव (उम्र24) अपने परिवार के साथ रविवार सुबह ही विवाह के लिए जावरा आई थी। विवाह से पहले मेकअप करने के लिए दुल्हन सोनू अपनी बहिन के साथ जावरा के मंशापूरण रोड स्थित एक ब्यूटीपार्लर गई थी। एक युवक ने पहले दुल्हन को बाहर से फोन लगाया और उसके बाद ब्यूटी पार्लर में घुसकर धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी और भाग निकला। आरोपी का नाम राहुल बताया जा रहा है। सोनू यादव की कुछ साल पहले उज्जैन निवासी युवक से शादी हुई थी, कुछ कारणों से वह रिश्ता टूट गया और तलाक हो गया था। अब यह दूसरी शादी नागदा के जैन समाज के युवक से कर रही थी। दिल दहला देने वाले इस घटनाक्रम से जावरा में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही सीएसपी पी.एस. राणावत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार दुल्हन को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने आरोपी की तलाश में पूरे क्षेत्र की नाकाबंदी कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

तस्वीरें शेयर कर चिदंबरम ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

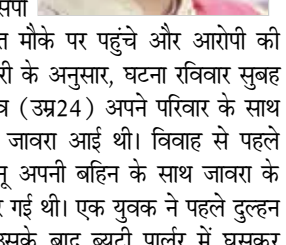

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने घायल सैनिकों के साथ मुलाकात से जुड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तस्वीरें शेयर करते हुए शनिवार को कहा कि 'ये तस्वीरें लाखों शब्दों के बराबर हैं। चिदंबरम ने यह ट्वीट ऐसे वक्त किया जब भारतीय थलसेना ने लेह स्थित सैन्य अस्पताल के उस चिकित्सकीय केंद्र को लेकर हो रही आलोचनाओं को ''दुर्भावनापूर्ण एवं निराधार करार दिया है, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में घायल हुए भारतीय जवानों के साथ बातचीत की थी और उनकी खैरियत जानी थी। इससे पहले मोदी के लेह में अस्पताल दौरे पर कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि छह साल सिर्फ मार्केटिंग हो रही है तथा सच्चाई को नहीं दिखाया जाता है।

चीन से लगी सीमा पर प्रमुख केंद्रों पर तैनाती बढ़ा रही है वायु सेना

नई दिल्ली। वायुसेना पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर बढ़ते तनाव के मद्देनजर वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अपने सभी प्रमुख केंद्रों पर फ्रंटलाइन लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा परिवहन बेड़े की तैनाती बढ़ा रही है। इन गतिविधियों से जुड़े लोगों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वायु सेना ने क्षेत्र में भारत की सैन्य तैयारियों को और मजबूत करने के लिए कई अग्रिम अड्डों तक भारी सैन्य उपकरणों और हथियार पहुंचाने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर 3 परिवहन विमान और सी-130 जे सुपर हरक्युलिस के बेड़े को लगाया है। उक्त लोगों ने बताया कि वायु सेना भारत और चीन के बीच 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विभिन्न अग्रिम क्षेत्रों में सैनिकों को पहुंचाने के लिए अपने इलयुशिन-76 बेड़े का भी इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि वायु सेना पहले ही लेह और श्रीनगर समेत कई प्रमुख वायुसैनिक केंद्रों पर अपने फ्रंटलाइन सुखोई 30 एमकेआई, जगुआर, मिराज 2000 विमान तैनात कर चुकी है। वायु सेना ने अनेक अग्रिम स्थानों तक सैनिकों को पहुंचाने के लिए अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टरों को भी लगाया है। लद्दाख और अन्य क्षेत्रों में वायु सेना की बढ़ती गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,, ''हम किसी भी हालात से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पिछले महीने एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने लद्दाख और श्रीनगर वायु सैनिक अड्डों का दौरा किया था पिछले महीने एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने लद्दाख और श्रीनगर वायु सैनिक अड्डों का दौरा किया था और क्षेत्र में किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने की भारतीय वायु सेना की तैयारियों का जायजा लिया था। भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले सात सप्ताह से पूर्वी लद्दाख में अनेक स्थानों पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। गलवान घाटी में 15 जून को हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिकों के शहीद होने के बाद चीन के साथ भारत का तनाव और अधिक बढ़ गया। चीन के भी सैनिक इस दौरान हताहत हुए लेकिन उसने इस बारे में अभी तक ब्योरा नहीं दिया है।

इस्लामाबाद में नहीं बनेगा हिंदू मंदिर, पाक सरकार ने लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बनाए जाने वाले पहले हिंदू मंदिर के स्थल पर निर्माण कार्य, मंजूरी प्राप्त भवन योजना न होने के कारण रोक दिया गया है। शनिवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। योजना के अनुसार, कृष्ण मंदिर का निर्माण राजधानी के एच-9 प्रशासनिक डिविजन में 20 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में किया जाएगा। मानवाधिकार मामलों के संसदीय सचिव लाल चंद मल्ही ने हाल ही में मंदिर के लिए भूमि पूजन समारोह भी आयोजित किया था। समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने शुक्रवार को कानूनी कारणों का हवाला देते हुए मंदिर के भूखंड पर चारदीवारी का निर्माण रोक दिया। खबर के अनुसार, बिल्डिंग कंट्रोल सेक्शन (बीसीएस) के अधिकारियों ने शुक्रवार को मंदिर के स्थल का दौरा कर निर्माण में व्यस्त लोगों से कहा कि उन्हें भवन योजना जमा करानी होगी और आगे बढ़ने से पहले उसे मंजूर कराना होगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद मल्ही ने कहा, हमने नियमों का पालन किया है। मंदिर की चारदीवारी इसलिए जरूरी थी क्योंकि मदरसे के छात्रों द्वारा समर्थित कुछ लोगों ने 2018 में भूखंड पर तंबू लगा दिये थे। हमें राजधानी के प्रशासन की मदद से जगह खाली कराने में महीनों लग गए थे। सीडीए के प्रवक्ता मज़हर हुसैन ने कहा कि नगर प्राधिकरण के भवन नियंत्रण कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भवन की योजना (मानचित्र) को मंजूरी मिलने तक किसी भी भूखंड पर कोई भी गतिविधि नहीं की जा सकती। मल्ही ने कहा कि पंचायत ने धार्मिक मामलों के मंत्रालय के समक्ष भवन योजना प्रस्तुत की थी और मंत्री पीर नूरुल हक कादरी ने मंदिर के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए का अनुदान मांगने के लिये एक रिपोर्ट के साथ इसे प्रधानमंत्री इमरान खान को भेज दिया था।

खबर में कहा गया है कि प्रधानमंत्री धार्मिक मामलों के मंत्रालय को निर्देश देंगे कि वह पूजा स्थल के लिए अनुदान के आवंटन की रिपोर्ट इस्लामिक विचारधारा परिषद (सीआईआई) को भेजे। प्रधानमंत्री खान की सत्तारूढ़ तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सहयोगी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू ने हाल ही में मंदिर के निर्माण का विरोध करते हुए दावा किया कि यह इस्लाम की भावना के खिलाफ है।

ट्रंप पिछड़े, बाइडन की वोटों पर पकड़ मजबूत, वाल स्ट्रीट के विश्लेषकों का दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

बाल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने दावा किया है कि अमेरिका में नवंबर में होने वाली राष्ट्रपति चुनाव के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडन से लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। बाइडन की वोटरों पर पकड़ लगातार मज़बूत होती जा रही है, जिसके साथ उनका संभावित बाजार प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। कोरोना वायरस की स्थिति को न संभाल पाने पर हुई आलोचना और ब्लैक लाइव्स मैटर के विरोध प्रदर्शनों पर ट्रंप की प्रतिक्रिया के बाद पिछले महीने बाइडन के लिए लोगों का समर्थन काफी अधिक हो गया है। रियल क्लियर पॉलिटिक्स की तरफ से निश्चित हुई औसत मुताबिक शुक्रवार को सट्टेबाजी बाजारों ने डेलावेयर की मतदान के लिए पूर्व सेनेटर को 59 प्रतिशत से ज्यादा पर रखा, जो हफ्ते में पहले रिकार्ड किए गए मिस्टर ट्रंप के 23 प्रतिशत अंक के नजदीक थे। यही वजह है कि निवेश भविष्यवाणियों को एक तरफ करके स्ट्टा लगा रहे हैं। इस हफ्ते जारी 140 फंड मैनेजरों के सीटी ग्रुप पोल में पाया गया कि दिसंबर में जब 70 प्रतिशत निवेशकों ने एक बैंक सर्वेक्षण में ट्रंप की जीत की भविष्यवाणी की थी तो उसी दौरान 62 प्रतिशत का मानना था कि मिस्टर बाइडन उलटफेर करेंगे। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर सकती है। जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति मतदान में अभी कई महीनों का समय बचा हुआ है। यदि इस दौरान अर्थव्यवस्था की हालत में सुधार आता है और कोरोना का प्रभाव थोड़ा कमज़ोर पड़ता है तो ट्रंप की स्थिति में सुधार हो सकता है।

अमेरिका 9/11 हमले की तस्वीर वाले व्यक्ति की कोरोना से मौत

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले की एक तस्वीर में धुएं के गुबार एवं मलबे से बचकर भाग रहे व्यक्ति की कोविड-19 संक्रमण से मौत हो गई। उसके परिवार ने इस बात की जानकारी दी। पाम बीच पोस्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क के रहने वाले इस इलेक्ट्रिकल इंजीनियर स्टीफन कूपर की 28 मार्च को डेलरे बीच के मेडिकल सेंटर में कोविड-19 के कारण मृत्यु हो गई थी। वह 78 वर्ष के थे। समाचार एजेंसी के एक फोटोग्राफर द्वारा हमले की ली गयी वह तस्वीर, दुनिया भर के अखबारों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थी और इसे न्यूयॉर्क के 9/11 स्मारक संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है। कूपर की 27 वर्षीय बेटी जेसिका राशेस ने बताया, हर साल 11 सितंबर को वह पत्रिकाएं लेने जाते थे और लौटकर तस्वीर दिखाते थे। वह परिवार की पार्टी समारोहों में भी वह तस्वीर दिखाते थे।÷कूपर की लंबे समय तक दोस्त रही सुसैन गोल्ड का कहना है कि कूपर उस तस्वीर अपने 'पहचान पत्र' की तरह रखता था। उन्होंने बताया कि कूपर ने तस्वीर की एक प्रति लेमिनेट करवा कर अपने बटुए में रखी थी। तस्वीर खींचने वाली एसोसिएटेड प्रेस की फोटोग्राफर सुजैन प्लंकेट ने लिखा कि वह तस्वीर के दो अन्य लोगों के संपर्क में थीं लेकिन कूपर को वह नहीं जानती थीं।कूपर की मौत के बाद प्लंकेट ने लिखा, यह शर्मनाक है कि मैं मि. कूपर की पहचान से अनभिज्ञ थी। कूपर के 33 साल तक सहयोगी रहे जेनेट राशेस ने कहा, उन्हें पताभी नहीं था कि तस्वीर ली गयी है । भी नहीं था कि तस्वीर ली गयी है । अचानक उन्होंने एक दिन टाइम पत्रिका देखी । उन्होंने उसमें खुद को देखा और कहा ओ माई गॉड । यह मैं हूं । वह आश्चर्यचकित थे, उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था ।

जापान में बाढ़-भूस्खलन से 7 लोगों की मौत

टोक्यो (एजेंसी)।

जापान में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से 7 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आज सुबह तक जापानी स्वास्थ्य अधिकारियों ने 7लोगों की मौत की पुष्टि की है। इसके अलावा 14 और मौतों की आधिकारिक पुष्टि होनी अभी बाकी है। बचावकर्मियों को कुमा नदी में आयी भीषण बाढ़ के बीच शनिवार को जापान के कुमामोतो प्रांत के कुमा में एक नर्सिंग होम में 14 ऐसे लोग मिले जिनमें जीवन के कोई लक्षण नहीं थे। इसके अलावा एक व्यक्ति को भूस्खलन के मलबे से निकाला गया। जापान के कुमामोतो और कागोशिमा प्रांत भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित हैं। क्षेत्र के दो लाख से अधिक स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के आदेश जारी किये गये हैं।

जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने शनिवार को कुमामोतो और कागोशिमा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने को लेकर सतर्क किया था। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को बाढ़ में 10 लोग लापता हुए हैं और भूस्खलन वाले स्थान से दो लोग गंभीर हालत में पाये गये हैं। जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने राहत कार्यों में जुटे स्थानीय बचावकर्मियों की मदद के लिए सेना के 10 हजार जवान भेजे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया मे ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन

सिडनी। अमेरिका में पुलिस हिरासत में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत को लेकर भड़की प्रदर्शनों की चिंगारी 40 दिन बाद अभी भी विदेशों में सुलग रही है। इस मामले में बेशक अमेरिका प्रदर्शनों का दौर कुछ थम गया हो लेकिन ऑस्ट्रेलिया मे ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समर्थन में ऑस्ट्रेलिया के बड़े शहरों में सप्ताहांत प्रदर्शन जारी हैं। इसी क्रम में रविवार को सिडनी में सैंकड़ों लोगों ने रोष प्रदर्शन किया । इस दौरान आयोजकों लोगों को मास्क और हैंड सैनिटाइजर के साथ सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की। इससे पहले शनिवार को ब्रिस्बेन, डार्विन और पर्थ में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के परिणामस्वरूप अल्पसंख्यकों के उपचार के लिए वैश्विक जागरूकता बढ़ गई है व पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में दो प्राचीन और पवित्र आदिवासी गुफाओं के रियो टिंटो के व्याकुलता की जांच करता है। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, स्वदेशी आबादी ऑस्ट्रेलिया की कुल आबादी का लगभग 25त्न का सिर्फ 3त्न से अधिक का प्रतिनिधित्व करती है। जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में नस्लीय भेदभाव को लेकर लगातार प्रदर्शन जारी है। कुछ दिन पहले तक जब कोरोना वायरस के कारण अमेरिका ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर कोई नहीं दिखाई देता था वहीं, आज उसी सड़कों पर हजारों की भीड़ इंसाफ मांगने के लिए कंधे से कंधा मिलाए प्रदर्शन कर रही है। अमेरिका में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लगभग 40 शहरों में कर्फ्यू का ऐलान करना पड़ा। हालांकि, बाकी देशों से किसी प्रकार के हिंसा की खबर नहीं है।

नाइजीरिया में नाव पलटने से 6 की मौत, एक लापता

अबुजा। नाइजीरिया के वाणिज्यिक केंद्र लागोस में एक नाव पलटने से 6 लोगों की मौत हो गयी तथा एक व्यक्ति लापता है। न्यूज एजेंसी ऑफ नाइजीरिया (नान) ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में लागोस राज्य जलमार्ग प्राधिकरण के हवाले से बताया कि इकोरोडू के पास हुई इस दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य जारी है। लास्वा के महाप्रबंधक ओलूवाडमिलोला ने बताया कि इस नाव पर चालक सहित 21 लोग सवार थे, जिनमें से 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को लगभग 20:30 बजे इकोरोडू के पास ओवोडे-इबेशे में हुई थी।

कनाडा ने हांगकांग के साथ रद्द की प्रत्यर्पण संधि

टोरंटो। चीन द्वारा हांगकांग में नया सुरक्षा कानून लागू किए जाने के बाद कनाडा ने हांगकांग के साथ प्रत्यर्पण संधि रद्द कर दी है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा हांगकांग के लिए एक देश दो व्यवस्था के मसौदा पर विश्वास करता है और वह उसके लोगों के साथ खड़ा होगा। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा आव्रजन सहित अन्य कदमों पर भी विचार कर रहा है। अन्य देश भी शरण की पेशकश पर विचार कर रहे हैं। कनाडा के 300,000 लोग हांगकांग में रहते हैं। बीजिंग के निर्देश के तहत स्थानीय अधिकारियों ने कानून को लागू करने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं, पुलिस ने बुधवार को लगभग 370 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 10 लोगों पर कानून के प्रत्यक्ष उल्लंघन करने का संदेह है।

सोमालिया में बम हमले में 5 की मौत, 10 घायल

मोगादिशु। दक्षिण पश्चिम सोमालिया में शनिवार को बैदोआ में बम हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 10 घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सोमाली सरकार के प्रवक्ता इस्माइल मुख्तार ओमर ने हमले की पुष्टि की है और अल-शबाब आतंकवादी समूह का बैदोआ बाइडो शहर में हमले में हाथ बताया। ओमर ने संवाददाताओं को बताया कि अभी भी स्थिति तनावपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''रिमोट कंट्रोल बारुदी सुरंग में विस्फोट किया गया जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 10 घायल हो गए। हमले में अधिकतर पीड़ित लोग नागरिक हैं और प्रारंभित रिपोट में बताया गया है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमले में मासूम लोग मारे गए जो अपने नियमित काम के लिए जा रहे थे। स्थानीय निवासियों ने कहा कि बैदोआ शहर के दक्षिण के एक स्थानीय कर संग्रह केंद्र को निशाना बनाया लेकिन निशाना चूक गया और पास के एक रेस्तरां में विस्फोट हो गया। एक स्थानीय कर संग्रह केंद्र को निशाना बनाया लेकिन निशाना चूक गया और पास के एक रेस्तरां में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि आज सुबह मोगादिशु के राजस्व मुख्यालय में एक अन्य बम हमला हुआ जिसमें सुरक्षा गार्ड सहित सात लोग घायल हो गए।

ईरान के गैस संयंत्र में रिसाव से 70 कर्मी बीमार

तेहरान। दक्षिणपूर्व ईरान में एक पेट्रोकेमिकल केंद्र से क्लोरीन गैस का रिसाव होने से 70 कर्मचारी बीमार पड़ गए। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने शनिवार को बताया कि दक्षिणपूर्व खुजेस्तान प्रांत के माहशहर नगर स्थित कारून पेट्रोकेमिकल केंद्र के अधिकतर कर्मियों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। समाचार एजेंसी 'इरना' ने शनिवार को बताया कि खुजेस्तान के ही अहवाज़ शहर में जेरगन ऊर्जा संयंत्र में ट्रांस्फार्मर में विस्फोट के बाद आग लग गई। समाचार एजेंसी ने बताया कि दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। ऊर्जा संयंत्र के सुरक्षा प्रबंधक मोहम्मद हाफेजी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन को समर्थन देकर फंसा पाक अपने ही विदेश विभाग ने फटकारा- सुधरो वर्ना भुगतना पड़ेगा खामियाजा

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

चीन और पाकिस्तान के दोस्ताने से सारी दुनिया वाकिफ है। चीन की शह पर पाकिस्तान बार-बार भारत की खिलाफत करता रहता है। लेकिन इस बार पाक को चीन को समर्थन देना अपने ही देश में भारी पड़ता नजर रहा है। पाक के विदेश विभाग ने प्रधानमंत्री इमरान खान को चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान चीन का समर्थन नहीं बंद करता तो उसे वैश्विक स्तर पर अलगाव का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया गया कि विदेश विभाग ने कहा है कि भारत से तनाव और कोरोना वायरस के कारण चीन वैश्विक स्तर पर आलोचनाओं का सामना कर रहा है। अगर पाकिस्तान चीन के साथ अपनी नीतियों की समीक्षा नहीं करता है तो उसे आर्थिक महाशक्तियों के गुस्सा का खामियाजा भुगतना होगा। कोरोना संकट के कारण यह शक्तियां भारत के साथ तनातनी के बाद चीन को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने के प्रयासों में जुटी हैं। चीन का समर्थन कर रहे पाकिस्तान को झटका उस वक्त लगा जब यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन ने पाकिस्तानी एयरलाइंस के विमानों को उड़ान भरने के लिए बैन कर दिया। पाकिस्तान ने देशों को समझाने का प्रयास किया कि उसके चालक (पायलट) काबिल हैं, हालांकि इन बातों का कोई असर नहीं हुआ। पाकिस्तानी सूत्रों की मानें तो बलूचिस्तान और गिलगित बाल्टिस्तान में जिस तरह से चीन ष्टक्क्षष्ट के लिए पाक संसाधनों का शोषण और स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है, उससे पाकिस्तानियों में चीन को लेकर गुस्सा है। बलूच और गिलगित बालटिस्तान के लोगों को नौकरियां नहीं दी जाती है, बल्कि चीन की कंपनियां कम पैसों के लिए चाइनीज मजदूरों को प्राथमिकता देती हैं।

दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी के युद्धाभ्यास से भड़का चीन, मिसाइल हमले की दी धमकी

बीजिंग (एजेंसी)।

साउथ चाइना सी में चीन और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिका की नौसेना ने इस विवादित इलाके में जोरदार युद्धाभ्‍यास शुरू किया है। चीन के महाभ्‍यास के खिलाफ सुपर पावर अमेरिकी नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाले अपने दो एयरक्राफ्ट कैरियर को दक्षिण चीन सागर में तैनात किया है। अमेरिका की जवाबी कार्रवाई बौखलाए चीन चीन के सरकारी अखबार ग्‍लोबल टाइम्‍स ने अब अपनी मिसाइलों का डर दिखाया है। भारत के खिलाफ जहर उगल रहे अखबार ग्लोबल टाइम्स ने अमेरिका को धमकी दी है कि चीन की सेना की किलर मिसाइलें डोंगफेंग-21 और डोंगफेंग-25 अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को तबाह कर सकती हैं। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में तैनात अमेरिका के विमानवाहक पोत चीनी सेना की जद में हैं। चीनी सेना इन्हें बर्बाद कर सकती है। इससे पहले यूएस नेवी के लेफ्टिनेंट कमांडर शॉन ब्रोफी ने बताया कि अमेरिकी नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज, यूएसएस रोनाल्ड रीगन और चार युद्धपोत दिन-रात साउथ चाइना सी में युद्धाभ्‍यास कर रहे हैं। अमेरिकी नौसेना दिन और रात दोनों ही समय में युद्धाभ्‍यास करके चीन को किसी भी दुस्साहस के खिलाफ सख्त संदेश दे रही है। इसी इलाके में इन दिनों की चीन की नौसेना भी युद्धाभ्‍यास कर रही है। एयरक्राफ्ट कैरियर दुनियाभर में अमेरिकी नौसैनिक ताकत के प्रतीक माने जाते हैं। अमेरिका ने कहा है कि उसके इस युद्धाभ्यास का मकसद इस इलाके के हर देश को उड़ान भरने, समुद्री इलाके से गुजरने और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक संचालन करने में सहायता देना है। अमेरिका ने साउथ चाइना सी में यह युद्धाभ्‍यास ऐसे समय पर शुरू किया है जब इसी इलाके में चीन की नौसेना भी युद्धाभ्‍यास कर रही है। चीन की नेवी परासेल द्वीप समूह के पास पिछले कई दिनों से युद्धाभ्यास करके ताइवान और अन्य पड़ोसी देशों को धमकाने में जुटी हुई है। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने शुक्रवार को ट्वीट करके चीन के इस युद्धाभ्यास की आलोचना की थी। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने दक्षिण पूर्व एशियाई मित्र देशों से सहमत है कि दक्षिण चीन सागर में चीन की सेना का अभ्यास बहुत ही भड़काने वाला है। हम चीन के गैरकानूनी दावों का विरोध करते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने भी चीन के युद्धाभ्यास की आलोचना की थी। उधर, अमेरिका के युद्धाभ्यास से चीन भड़क गया है।

दरअसल, इस ताजा तनाव की शुरुआत चीन के युद्धाभ्यास से हुई है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले दोंगशा द्वीप समूह पर कब्जा करने का युद्धाभ्यास शुरू किया है जिससे तनाव काफी बढ़ गया है।

अमेरिका 9/11 हमले की तस्वीर वाले व्यक्ति की कोरोना से मौत

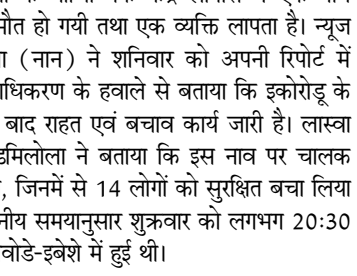

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले की एक तस्वीर में धुएं के गुबार एवं मलबे से बचकर भाग रहे व्यक्ति की कोविड-19 संक्रमण से मौत हो गई। उसके परिवार ने इस बात की जानकारी दी। पाम बीच पोस्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क के रहने वाले इस इलेक्ट्रिकल इंजीनियर स्टीफन कूपर की 28 मार्च को डेलरे बीच के मेडिकल सेंटर में कोविड-19 के कारण मृत्यु हो गई थी। वह 78 वर्ष के थे। समाचार एजेंसी के एक फोटोग्राफर द्वारा हमले की ली गयी वह तस्वीर, दुनिया भर के अखबारों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थी और इसे न्यूयॉर्क के 9/11 स्मारक संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है। कूपर की 27 वर्षीय बेटी जेसिका राशेस ने बताया, हर साल 11 सितंबर को वह पत्रिकाएं लेने जाते थे और लौटकर तस्वीर दिखाते थे। वह परिवार की पार्टी समारोहों में भी वह तस्वीर दिखाते थे। कूपर की लंबे समय तक दोस्त रही सुसैन गोल्ड का कहना है कि कूपर उस तस्वीर अपने 'पहचान पत्र' की तरह रखता था। उन्होंने बताया कि कूपर ने तस्वीर की एक प्रति लेमिनेट करवा कर अपने बटुए में रखी थी। तस्वीर खींचने वाली एसोसिएटेड प्रेस की फोटोग्राफर सुजैन प्लंकेट ने लिखा कि वह तस्वीर के दो अन्य लोगों के संपर्क में थीं लेकिन कूपर को वह नहीं जानती थीं।कूपर की मौत के बाद प्लंकेट ने लिखा, यह शर्मनाक है कि मैं मि. कूपर की पहचान से अनभिज्ञ थी। कूपर के 33 साल तक सहयोगी रहे जेनेट राशेस ने कहा, उन्हें पता भी नहीं था कि तस्वीर ली गयी है । अचानक उन्होंने एक दिन टाइम पत्रिका देखी । उन्होंने उसमें खुद को देखा और कहा ओ माई गॉड । यह मैं हूं । वह आश्चर्यचकित थे, उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था ।

फीका रहा अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस का जश्न, ट्रंप ने भाषण में 'भीतरी शत्रुओं' को लताड़ा

लॉस एंजलिस (एजेंसी)।

अमेरिका में कोविड-19 के बढ़ते मामलों ने चार जुलाई के स्वतंत्रता दिवस समारोह का जश्न फीका कर दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सप्ताहांत एजेंडे के उलट अवकाश के दिन लोगों को एक जगह एकत्र होने से रोकने के प्रयास किए गए जिसमें शुक्रवार रात दक्षिण डकोटा के माउंट रशमोर में आतिशबाजी कार्यक्रम और शनिवार को सैल्यू फॉर अमेरिका कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर लोगों को हतोत्साहित किया जाना भी शामिल है। इसके अलावा व्हाइट हाउस साउथ लॉन में राष्ट्रपति के भाषण और वाशिंगटन में रविवार शाम को होने वाली आतिशबाजी में भी लोग शामिल नहीं पाएंगे। अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस यानी एकजुटता और जश्न के दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भीतरी शत्रुओं- वामपंथियों, लुटेरों और आंदोलनकारियों से देश के ''मूल्यों को सुरक्षित'' रखेंगे। चार जुलाई का उनका भाषण उनकी सियासी रैलियों की तरह ही उल्हानों से भरा और झगड़ने की मंशा से लैस था। इस अवसर पर ट्रंप ने पैराटूपर जवानों का प्रदर्शन देखा, कोरोना वायरस महामारी से लड़ रहे स्वास्थ्यकर्मियों तथा अन्य लोगों का अभिवादन किया और अपने आलोचकों तथा देश के इतिहास का कथित अपमान करने वालों को लताड़ा। ट्रंप ने कहा, ''हम कट्टर वामपंथियों, बागियों, आंदोलनकारियों, लुटेरों और ऐसे लोगों को हराने की दिशा में हैं जिन्हें यह अंदाजा ही नहीं है कि वे क्या कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम गुस्सैल भीड़ को प्रतिमाओं को गिराने की, हमारे इतिहास का सफाया करने की और बच्चों को सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा कराने की इजाजत कभी नहीं देंगे। हम 1492 में शुरू हुए जीवन जीने के अमेरिकी तरीके को बचाएंगे, उसकी रक्षा करेंगे। यह तरीका तब आया था जब कोलंबस ने अमेरिका की खोज की थी।' हालांकि इस दौरान उन्होंने वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले लोगों के बारे में कुछ नहीं कहा। माना जाता है कि अमेरिका में इस संक्रामक रोग के कारण करीब 1,30,000 लोगों की मौत हुई है। देशभर के अधिकारियों ने अमेरिकी जनता से स्वतंत्रता दिवस समारोह के अपने उत्साह को काबू में रखने और भीड़भाड़ में नहीं जाने का अनुरोध किया है क्योंकि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन इसके विपरीत ट्रंप ने लोगों को आतिशबाजी से लैस ''विशेष शाम'' के लिए ललचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हालांकि रात में एयर-शो तथा आतिशबाजी देखने के लिए जो भीड़ नेशनल मॉल में एकत्र हुई, वह पिछले साल के मुकाबले कम थी। अधिकतर लोगों ने मास्क पहन रखे थे और लोग भौतिक दूरी के नियम का पालन करते भी दिख रहे थे, जबकि ट्रंप के साउथ लॉन समारोह में लोगों ने मास्क नहीं पहन रखे थे और वे एक-दूसरे के करीब भी बैठे थे। ट्रंप ने अपने विरोधियों पर हमला बोलने के लिए इस मौके को भी नहीं छोड़ा। प्रतिमाओं को गिराने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''हमारा बीता कल बोझ नहीं है जिससे छुटकारा पाया जाए।'' व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जुड डीरे ने बताया कि साउथ लॉन के समारोह में ट्रंप के अतिथि चिकित्सक, नर्सें, कानून प्रवर्तन अधिकारी और सेना के लोग तथा प्रशासन के अधिकारी थे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम वैश्विक महामारी के दौर में ''गजब का साहस और जीवंतता दिखाने वाले'' अग्रिम पंक्ति के कर्मियों तथा जनता को समर्पित था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्य की कई तहसीलों में लगातार दूसरे दिन भी बारिश से नदी–नाले छलके

अहमदाबाद सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात की कई तहसीलों में कल से बारिश का दौर जारी हैद्य दोपहर 2 बजे तक राज्य की 133 तहसीलों में बारिश हुई है। 8 तहसीलों में 2 ईंच से ज्यादा, 25 तहसीलों में 1 से 2 ईंच तक बारिश हुई है।

सबसे अधिक बारिश मोरबी जिले की टंकारा तहसील में 2.6 ईंच, वांकानेर में 2.4 ईंच और जामनगर के कालावड में 2.3 ईंच बारिश दर्ज हुई।

वहीं अमरेली के खांभा में 2.1 ईंच, वलसाड के वापी में 2.1 ईंच, जामनगर के ध्रोल में 2.1 ईंच, पोरबंदर की पोरबंदर तहसील में 2 ईंच, सुरेन्द्रनगर के चूडा में 1.9 ईंच और जूनागढ़ के विसावदर में 1.9 ईंच बारिश हुई।

पिछले 24 घंटों में राज्य की 94 तहसीलों में बारिश हुई है।

खासकर 11 तहसीलों में मूशलाधार बारिश से चहुंओर

पानी पानी हो गयाद्य राज्य की 11 तहसीलों में 2 ईंच से अधिक और 16 तहसीलों में एक से डेढ़ ईंच तक बारिश हुई।

राज्य में सबसे अधिक बारिश जूनागढ़ जिले की मालिया तहसील में 5 ईंच और देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर में 4 ईंच बारिश हुई। जबकि गिर सोमनाथ के तलाला में 3 ईंच, राजकोट के जामकंडोरणा में 3 ईंच, गिर सोमनाथ के कोडीनार में 3 ईंच, वलसाड की वलसाड तहसील में 3 ईंच, गिर सोमनाथ के वेरावल में 2 ईंच, वलसाड के उमरगाम में 2 ईंच, जामनगर के लालपुर में 2 ईंच और देवभूमि द्वारका के द्वारका में 2 बारिश हुई।

पिछले 24 घंटों में राज्य के 33 में से 26 जिलों में बारिश हुई है।

जिसमें जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, राजकोट, जामनगर, अमरेली, पोरबंदर, भावनगर, मोरबी, सुरेन्द्रनगर, कच्छ, वलसाड, नवसारी, सूरत, वापी, नर्मदा, भरुच, डांग, खेडा, दाहोद, वडोदरा, छोटाउदेपुर,

गांधीनगर, मेहसाणा, अहमदाबाद और अरवल्ली जिला शामिल हैं। लगातार बारिश के चलते नदी–नाले उफन रहे हैं।

पानी के तेज बहाव में बोलेरो बही, दो लोगों को बचाया गया, एक लापता

क्रांति समय (सुरत)

राजकोट ,राजकोट में कल से लगातार हो रही बारिश के चलते नदी–नाले उफन रहे हैं।

ऐसे में राजकोट के लापासरी रोड पर एक पुलिया से गुजर रही पानी के तेज बहाव में बह गई। `लेरो पिकअप वैन बह गई। बताया

सुबह से हो रही बारिश के चलते नदी–नाले पानी से छलक गए हैं।

खोखडधज नदी में बाढ़ आने से लापासरी रोड पर बनी एक पुलिया से गुजर रही बा.

कर रही है। बचाए गए लोगों में भावेश राठौड़ और प्रकाश चावडा शामिल है। जानकारी के मुताबिक पुलिया पर रैलिंग नहीं होने की वजह से कार नदी के तेज बहाव में बह गई। आसपास रहने वाले लोग वर्षों से पुलिया पर रैलिंग

जिसमें दो लोगों को बचा लिया गया, जबकि एक व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक राज.कोट जिले में आज लगातार दूसरे दिन भी बारिश का दौर जारी है।

जाता है कि घटना के वक्त बोलेरो में तीन लोग सवार थे, जिसमें दो शख्सों को बचा लिया गया है,

जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। फायर ब्रिगेड की टीम लापता व्यक्ति की तलाश

बनाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन ने आज तक इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की, जिसकी वजह से आज यह हादसा हुआ। पिछले साल भी यहां एक ट्रैक्टर फंस गया था।

अधेड ने हाथ की नसें काटने के बाद पांचवीं मंझिल से कूदकर दी जान

क्रांति समय (सुरत)

वडोदरा, गोत्री के सुदामानगर में रियल एस्टेट ब्रोकर ने देर रात पहले अपने दोनों हाथों की नसें काट दीं और बाद में पांचवीं मंझिल से मौत की छलांग लगा दी।

इस घटना में अधेड़ की घटना.स्थल पर मौत हो गई।

आत्महत्या के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा के गोत्री क्षेत्र के सुदामानगर निवासी 55 वर्षीय रियल एस्टेट ब्रोकर दिलीप देसाई पिछले तीन महीने से डिप्रेशन में थे

और शुक्रवार की देर रात उन्होंने आत्महत्या कर ली।

दिलीप देसाई ने पहले अपने हाथों की नसें काट दीं और फिर पांचवीं मंझिल से कूदकर अपनी जान दे दी।

बताया जाता है कि पिछले कई वर्षों से रियल एस्टेट व्यवसाय से जड़े दिलीप देसाई को कोरोना का भय सता रहा था।

शनिवार की सुबह हाथ की नसें कटी हुई हालत में उनका शव देख लोग चौंक पड़े।

दिलीप देसाई के घर में लहू से लथपथ तकिया भी बरामद हुआ है। फिलहाल दिलीप देसाई की आत्महत्या की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद मामले की जांच शुरू की है।

सौराष्ट्र–कच्छ में भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान, बंदरगाहों में पर लगा 3 नंबर का सिग्नल

अहमदाबाद, कच्छ में बने हवा के हलके दबाव के चलते राज्यभर में अगले पांच दिनों तक बरसाती माहौल रहेगा।

खासकर सौराष्ट्र और कच्छ में अगले दो दिनों के दौरान भारी से अतिभारी बारिश होने का मौसम विभाग का अनुमान है। भारी से अतिभारी बारिश के अनुमान को देखते हुए सौराष्ट्र के बंदरगाहों पर 3 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है।

कच्छ और देवभूमि द्वारका के लिए अगले 48 घंटे भारी हैं।

मौसम विभाग के भारी से अतिभारी बारिश के अनुमान को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने का राज्य के स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर ने आदेश दिया है।

इस बीच दिन में सौराष्ट्र, उत्तरी गुजरात समेत दक्षिण गुजरात मेघा दिल खोलकर बरसे सौराष्ट्र के जामनगर, राजकोट, अमरेली, सुरेन्द्रनगर, पोरबंदर और भावनगर इत्यादि जिलों में मूशलाधार बारिश होने से कई नदियों में बाढ़ के हालात हैं। जामनगर के कालावड की सनाढा नदी उफान पर है।

राजकोट में लापासरी नदी में बाढ़ आने से एक बोलेरा कार बह गई।

कार में सवार दो लोगों को बचा लिया गया, जबकि एक लापता शख्स की तलाश जारी है। रविवार को दिन के दौरान राज्य की 151 तहसीलों में बारिश हुई है।

खासकर देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया में 6 ईंच बारिश होने की खबर है।

खंभालिया केवल 2 घंटों में 3.5 ईंच बारिश दर्ज हुई।

गिर सोमनाथ के सूत्रापाडा में 4 ईंच, गिरगढ़डा में 3 ईंच, अमरेली जिले के खांभा में 3 ईंच, नवसारी जिले के चीखली और गणदेवी में 3–3 ईंच, मोरबी जिले के टंकारा में 3 ईंच, पोरबंदर में 3 ईंच, वलसाड के कपराडा में 3 ईंच बारिश दर्ज हुई।

राज्य की 30 अधिक तहसीलों में 2 ईंच से ज्यादा और 10 तहसीलों में 3 ईंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है।

सौराष्ट्र में मेघा पूरी तरह मेहरबान है।

जसदण के भंडारिया, भोगराव.दल और वीरपर समेत आसपास के गांवों में 3 से 4 ईंच

मूशलाधार बारिश हुई।भारी बारिश के कारण स्थानीय नदियां उफन रही हैं।

राजकोट के त्रंबा में ढाई बारिश होने से त्रिवेणी नदी में बाढ़ से हालात हैं।

गिर सोमनाथ के तलाला के सुरवा, धावा, माधोपुर, जसाधर, जशापुर इत्यादि गांवों में डेढ़ से दो ईंच बारिश हुई।

गिर सोमनाथ के सूत्रापाडा में 4 ईंच से अधिक बारिश हुई। विसावदर में तीन ईंच बारिश हुई। राजकोट, गोंडल, वेरडी कुंभाजी, जेतपुर, धोराजी और जामकंडोरणा में मध्यम बारिश हो रही है। ऊपरी हिस्सों में भारी बारिश के कारण आजी डैम में नई जलराशि की आय हो रही है।

सुरेन्द्रनगर के लींबडी और सायला के ग्रामीण इलाकों में बरसाती माहौल है।

अमरेली के वडिया, बगसरा, कुंकावाव समेत अन्य इलाकों में लगातार तीसरे दिन बारिश का दौर जारी है।

जामनगर के कालावड समेत आसपास के इलाकों में एक घंटे में 2 ईंच से भी अधिक बारिश दर्ज हुई।

कालावड में मूशलाधार बारिश के कारण खेत पानी से लबालब हो गए और चेकडैम भी छलक गया है।

बोटाद में गरज के साथ मूशलाधार बारिश हुई।

ढसा, रसनाल, पाडापड, झुं.डवदर, पाटणा, पीपरडी, मांडवा, नाना उमराला और भंडारिया गांव में बारिश ही है।

सौराष्ट्र की 10 से ज्यादा तहसीलों में मेघा दिल खोलकर बरस रहा है।

भारी बारिश के अनुमान को देखते हुए

सौराष्ट्र के सभी बंदरगाहों पर ऐहतियात के तौर पर 3 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है।

तेज हवा के साथ चक्रवात की संभावना को देखते हुए ऐहतियाती कदम उठाया गया है।

मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है।

गुजरात में प्रति दिन सामने आ रहे हैं कोरोना के 700 से अधिक मामले

24 घंटों में 725 नए केसों के साथ कोविड–19 का आंकड़ा 36000 के पार, 18 की मौत

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद ,गुजरात में हर दिन कोरोना के औसत 700 से अधिक मामले दर्ज हो रहे हैं और 18 से 20 लोगों की मौत हो रही है।

हांलाकि बड़ी संख्या में लोग स्वस्थ भी हो रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत में कोरोना के 254 नए केस दर्ज हुए और 106 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया।

वहीं अहमदाबाद में कोरोना के 177 नए मामले सामने आए और 201 लोग ठीक हुएद्य जबकि वडोदरा में 64, राजकोट में 42, वलसाड में 18, भरुच में 15, खेडा में 12, पाटन में 11, जूनागढ़ में 13, गांधीनगर में 11, मेहसाणा में 9, सुरेन्द्रनगर में 9, भावनगर में 16, तापी में 9, बनासकांठा में 8, साबरकांठा में 8, दाहोद में 8, जामनगर में 6, पंचमहल में 6, अरवल्ली में 5, मोरबी में 5, गिर सोमनाथ में 4, महीसागर में 3, नवसारी में 3, बोटाद में 3, कच्छ में 2, नर्मदा में 1, अमरेली में 1, छोटाउदेपुर में 1 और देवभूमि

द्वारका में 1 समेत राज्यभर में

पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के कुल 725 नए मामले सामने आए हैं।

और इस दौरान 486 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। जबकि अहमदाबाद में 9, सूरत में 6, जामनगर में 1, गांधीनगर में 1 और खेड में 1 समेत राज्य में 24 घंटों के दौरान 18 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक कुल 412124 टेस्ट किए गए, जिसमें 36123 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए।

36123 में से 25900 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं और 1945 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है।

शेष 8278 मामलों में 8206 मरीजों की हालत स्थिर है और 72 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 21892 हजार और सूरत में 5988 पर पहुंच गया है।

कोरोना से अब तक अहमदाबाद में 1484 और सूरत में 1484 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज की तारीख में राज्य के विभिन्न जिलों में 268170 लोग कोरन्टाइन हैं।

जिसमें 265096 होम कोरन्टाइन और 3074 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में हैं।

बरसाती माहौल में स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की हिदायत

अहमदाबाद , राज्य में मॉनसून का विधिवत प्रारंभ हो चुका है और जिन इलाकों में लगातार बारिश हो रही है, वहां संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने का स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर ने आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिन जिलों में ज्यादा बारिश हो वहां खतरनाक सड़कों पर ट्रैफिक बंद करने और खासकर नदी–नाले पर बने पुल पर बहते पानी में कोई नागरिक प्रवेश नहीं करे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिले की प्रत्येक तहसील में इलेक्ट्रीसिटी सप्लाई लंबे समय तक बंद नहीं रहे इसका संबंधित विभाग को आदेश दिया जाए ताकि नागरिकों को समय पर पेयजल उपलब्ध हो सके। बारिश के कारण जिन गांवों में बिजली आपूर्ति बंद होने या दूषित पानी की समस्या के कारण पेयजल की समस्या हो, ऐसे गांवों के लिए वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट से इमर्जंसी टैंकर की व्यवस्था की सूची तैयार रखी जाए। भारी बारिश के दौरान सड़क टूटने, जमीन धंसने या नाले के टूटने के कारण किसी गांव में जानेवाला रास्ता बंद हो जाता है तो बारिश बंद होने के बाद सड़क एवं निर्माण विभाग द्वारा अस्थायी मरम्मत की जाए। प्रत्येक तहसील में बारिश की वजह से पशुधन की मौत की रिपोर्टिंग के लिए पशुधन निरीक्षक की टीमें उचित संख्या में लगाकर उनका पंजीकरण के बाद आरटीओ से प्राप्त जेसीबी द्वारा या स्थानीय स्तर पर ट्रैक्टर के जरिए मृत पशुओं को खड्डे खोदकर उसमें दफनाया जाए, ताकि महामारी से बचा जा सके। इसी प्रकार बारिश से निचले इलाकों के जलमग्न होने पर सिंचाई विभाग से पानी निकालने के लिए पम्प और उसके जरूरी वाहन टीम के साथ तैयार रखी जाए। बारिश बंद होने और पानी निकलने के बाद तुरंत संबंधित इलाकों की सफाई के लिए टीमें तैनात की जाए और कीटनाशक दवाईयों को तत्काल छिड़काव किया जाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपको राशि के अनुसार किस रंग का पर्स रखना चाहिए?

जीवन की चीज और बात से ज्योतिष और वास्तु सीधे-सीधे जुड़ा हुआ है। हम जो भी करते हैं, जो भी कुछ हमारे पास है, हर जगह ज्योतिष लागू होता है। ज्योतिष द्वारा बताई गई बातों को अपनाने से जीवन की सभी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। आज की सबसे बड़ी समस्या है पैसों की कमी। ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाने के लिए काफी धन की जरूरत होती है, इसके लिए दिनरात मेहनत भी करना पड़ती है। बहुत से लोग मेहनत करते हैं और पैसा भी अच्छा कमाता है लेकिन फिर भी उनके पास बचत नहीं होती है। ऐसे में बचत बढ़ाने के लिए पर्स के संबंध में कुछ सावधानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि सभी पर्स में ही पैसा रखते हैं। इसीलिए राशि अनुसार पर्स रखने से हमारी कमाई तो बढ़ेगी साथ ही बचत भी होने लगेगी।

- मेष- इस राशि के लोग लाल या महरून रंग के पर्स रखना चाहिए।
- वृषभ- वृषभ राशि के लोगों के लिए सफेद या सिल्वर रंग के पर्स विशेष लाभ देने वाले होते हैं।
- मिथुन- इन लोगों को हरा या काले रंग के पर्स रखना चाहिए।
- कर्क- इन्हें सफेद, सिल्वर या क्रीम कलर के पर्स अच्छा फायदा दिला सकते हैं।
- सिंह- सिंह राशि वाले लाल, महरून, चाकलेटी रंग के वॉइलेट रखना चाहिए।
- कन्या- कन्या राशि वालों के लिए हरा, काला या सिलेटी विशेष लाभ देने वाला रहता है।
- तुला- इस राशि के लोगों को सफेद, चमकीला या सिल्वर रंग को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- वृश्चिक- इनके लिए लाल, महरून या चाकलेटी रंग श्रेष्ठ रहता है।
- धनु- आप पीला, क्रीम या सफेद रंग का उपयोग करें।
- मकर- मकर राशि वालों को काला, नीला, भूरा रंग प्रयोग में लाना चाहिए।
- कुम्भ- शनि इस राशि का स्वामी है अत- इन्हें शनि के प्रिय रंग काला, नीला, जामुनी रंग को अपनाना चाहिए।
- मीन- इन्हें पीला, सफेद, या क्रीम कलर का पर्स विशेष लाभ दिलवाएगा।

'मसरूर मंदिर'

एक ही चट्टान को काट कर बना है

देव भूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश में लगभग दो हजार मंदिर विद्यमान हैं। इनमें हिन्दू धर्म के मान्यता प्राप्त शक्तिपीठ तो विश्व भर में विख्यात हैं तथा प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक ऐसा विचित्र मंदिर है जो मात्र एक ही चट्टान को काट कर बनाया गया है। भगवान शिव तथा श्री राम चंद्र को समर्पित यह मंदिर लगभग आठवीं शताब्दी में निर्मित किया गया था तथा समुद्र तल से 2500 फुट ऊंचाई पर एक ही चट्टान को काट कर बना देश का एकमात्र मंदिर माना जाता है।

इस मंदिर की एक झलक देखने से ही स्पष्ट हो जाता है कि उन दिनों भी इस महान देश की निर्माण कला तथा नक्काशी कितनी उच्च स्तरीय थी। यह मंदिर कांगड़ा से 32 किलोमीटर तथा श्री ज्वाला जी से 34 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मसरुर मंदिर कोई एक मंदिर नहीं बल्कि लगभग नौ मंदिरों का समूह है। यदि इतिहासकारों की मानें तो ऐसे तथ्य भी सामने आ रहे हैं जिनके अनुसार यहां पहले 15 मंदिर विद्यमान थे जो समय की गर्त के चलते नष्ट हुए अथवा प्राकृतिक कारणों से लुप्त हो गए।

किंवदंतियों में इन मंदिरों का संबंध पांडवों से जोड़ा जाता है। मान्यता के अनुसार इसी मंदिर के प्रांगण में स्थित जलाशय के जल से द्रौपदी ने भगवान शिव की अर्चना तथा जलाभिषेक किया था। कहते हैं कि इस मंदिर का इतना महत्व था कि यहां पर पूजा तथा तपस्या करने से स्वर्ग प्राप्ति का द्वार खुलता था।

यहां आज भी विशाल पत्थरों के बने दरवाजानुमा द्वार हैं, जिन्हें 'स्वर्गद्वार' के नाम से जाना जाता है। कुछ अन्य मान्यताओं के अनुसार पांडव अपने स्वर्गारोहण से पहले इसी स्थान पर ठहरे थे, इसी लिए यहां स्थित पत्थरनुमा दरवाजों को 'स्वर्ग जाने का मार्ग' भी कहा जाता है। इन मंदिरों में नंदी तथा भगवान शिव को समर्पित अति आकर्षक मंदिर हैं जिसमें नंदी को मुख्य मंदिर की चट्टान को तराश कर बनाई गई मंदिर की छत के बाहर दक्षिण भारतीय शैली में स्थापित किया गया है। इसके साथ एक अन्य युग में वैष्णव मत के अनुयायियों द्वारा यहां श्री राम, लक्ष्मण तथा सीता माता की मूर्तियां भी स्थापित की गईं। इस मंदिर के ऊपरी भाग को इसके नीचे वाले प्रांगण से एक सीढ़ीनुमा सुरंग से जोड़ा गया है। ये मंदिर हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के किसी अन्य धर्मस्थल से अलग ही नजर आते हैं। मंदिर की रचना अद्भुत है। यहां की मूर्तिकला पर दक्षिण भारतीय वास्तुकला के नक्शों की छाप इन्हें और भी अद्भुत बना देती है। कुछ विद्वान इन मंदिरों की शैली में हिंद चीन के देशों लाओस, कम्बोडिया के धर्मस्थलों की निर्माणकला की छाप देखते हुए यहां छठी शताब्दी में बौद्ध भिक्षुओं के आगमन तथा ध्यान क्रियाओं की पुष्टि करते हैं। मसरूर मंदिरों के निर्माण में प्रयुक्त की गई पिरामिड तकनीक के कारण ये मंदिर 1905 ई. के कांगड़ा के भीषण भूकंप से भी सुरक्षित रहे तथा ऊंचे पहाड़ों की चोटियों में बसे होने के कारण मध्य कालीन आक्रामक विदेशी विध्वंसकों के हमलों से भी सुरक्षित बचे रहे परंतु यह भी एक सत्य है कि मंदिरों के गुंबदों तथा अन्य कुछ स्थानों पर समय की गर्त का प्रभाव नजर आता है।

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है। जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगड़ने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल 'गंदाजल' कहलाने लगता है।

राम ने त्यागा तो सीता ने यहां बनाया था ठिकाना

राम के राजा बनने के बाद जो घटना हुई थी उसमें सबसे प्रमुख है धोबी के कहने पर राम द्वारा सीता का त्याग करना। भगवान राम ने जिस सीता को पाने के लिए समुद्र पर पुल का निर्माण करवाया और रावण का वध किया उस सीता को राम भला किस प्रकार असुरक्षित छोड़ सकते थे।

इसलिए सीता का त्याग करने के बाद भी राम ने उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा। मान्यता है कि भगवान राम ने लक्ष्मण जी से सीता को उत्तराखंड की देवभूमि में छोड़कर आने के लिए कहा था। राम की आज्ञा का पालन करते हुए लक्ष्मण जी ने सीता को देव प्रयाग से चार किलोमीटर आगे छोड़ा था। यह स्थान पुराने बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान को -सीता विदा- गांव के नाम से जाना जाता है। इस स्थान पर सीता को छोड़ने का कारण यह था कि जब धरती पर गंगा उतरी तब सबसे पहले यहीं प्रकट हुई थी। गंगा के साथ उस समय 33 करोड़ देवता भी यहां एकत्रित हुए थे। यह तपस्वियों की भूमि थी जिससे इस स्थान पर पाप का प्रभाव नहीं था। सीता जी ने यहां पर अपनी कुटिया बनायी थी जिसे सीता कुटि और सीता सैंण के नाम से जाना जाता है। यहां से सीता बाल्मिकी आश्रम चली गयी जो वर्तमान में कोट महादेव मंदिर के पास है। केदारखंड नामक ग्रंथ में उल्लेख आया है कि कुछ समय तक राज-काज देखेने के बाद भगवान राम और लक्ष्मण देवप्रयाग आये थे। यहां पर राम ने सीता और लक्ष्मण के साथ रावण वध के कारण लगे ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति पाने के लिए तपस्या और विश्वेश्वर लिंग की स्थापना की। भगवान राम प्रतिदिन देवप्रयाग से आगे श्रीनगर नामक स्थान में सहस्त्र कमल फूल से कमलेश्वर महादेव की पूजा किया करते थे।

वास्तुशास्त्र

वास्तु से लाएँ खुशहाली

घर किसी भी जीवांत की मूल अवश्यकता है, जिसमें एक व्यक्ति या एक परिवार के आराम और निजी संपत्ति का भंडारण कर सकते हैं। जहां शरण या आराम की मानसिक या भावनात्मक तृप्ति प्राप्त हो उसे आशियाना कहा जा सकता है। बहुत बार ऐसा होता है घर में वास्तु दोष होने से अनेकों परेशानियाँ उत्पन्न हो जाती है जिसका हमारे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। दैनिक जीवन में अगर हम छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें तो इसका समाधान सरलता से किया जा सकता है-

1 अपने शयन कक्ष में कभी भी जूठे बर्तन न रखें, ऐसा करने से बेडरूम में बेवजह क्लेश रहता है और घर की लक्ष्मी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

2 अपने शयन कक्ष में पानी से भरा हुआ बड़ा पात्र जैसे कि वाटर कूलर अथवा अन्य भारी सामान न रखें। इसका प्रभाव सीधे मानसिकता पर पड़ता है, जिससे की भारीपन बना रहता है।

3 अपने शयन कक्ष में व्यसनों का सेवन न करें, इससे आप के ग्रो करने में रूकावटें आयेंगी।

4 घर में दो दरवाजे कभी भी आमने-सामने नहीं होने चाहिए ऐसा हो तो नेगेटिव उर्जा का प्रवेस जल्दी आघात करता है।

5 ईशाण कोण में हमेशा सफाई रखें अगर वहां गंदगी होगी तो घर के सदस्यों पर चिंताओं के बादल मंडराते रहेंगे,वंश वृद्धि असंभव हो जाती है, शादी के लायक कोई पारिवारिक सदस्य हो तो उसके विवाह में विलंब होगा अगर इन समस्याओं से निजात चाहते है तो ईशाण कोण को हल्का रखें, बेहतर परिणामों के लिए वहां देवता का स्थान,पानी का स्थान, पितरों का स्थान स्थापित करें तो उतम रहेगा।

6 ईशाण कोण में सिढियां नहीं होनी चाहिए इससे हमारे दैनिक जीवन की प्रोग्रेस पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

7 घर के श्रेष्ठ पुरूष को अपने काम करने की मेज ईशाण कोण में लगानी चाहिए, इससे मानसिकता में सकारात्मकता बनी रहती है।

8 घर का कोई सदस्य किसी कारणवश दवा का सेवन कर रहा है तो दवा को ईशाण कोण में ही रखना चाहिए। जब दवा खाएं तो मुख भी इसी दिशा में हो तो दवा का प्रभाव शीघ्र अपना असर दिखाता है और रोगी जल्द ही स्वस्थ हो जाता है।

9 अगर कोई व्यक्ति लम्बे अर्से से बीमार है और कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं हो रहा है तो उस को नैऋत्य कोण में सुलाएं, ईशाण कोण में जल का लौटा भर कर रखें और उसी का जल रोगी को पिलाना चाहिए इस से रोगी के स्वस्थ्य में शीघ्र लाभ होगा।

10 अगर कोई कोर्ट-कचहरी का मामला हो तो उसके कागजात ईशाण कोण में रखें। यदि उस दिशा में आप का मंदिर स्थापित है तो समझें सोने पर सुहागा, मंदिर में कागजात रखने से सफलता आपके कदम चुमेगी।

11 ईशाण कोण में हमेशा देवी-देवताओं के चित्र लगाने चाहिए। घर में कहीं भी कभी भी युध,रोता हुआ व्यक्ति, जादू टोने के चित्र नहीं लगाने चाहिए। इन चित्रों के प्रभाव से समस्त वातावरण में नकारात्मकता फैलेगी।